Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 133 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, मंगलवार 12 नवम्बर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

दया भाव जीवन में सुख-शांति प्रदान करता है।

Feelings of mercy bring peace and happiness in life.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री साय आज चन्द्रपुर के दौरे पर, महानदी महाआरती महोत्सव में होंगे शामिल

रायपुर (विसं)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय 12 नवम्बर को सक्ती जिले के सुप्रसिद्ध धार्मिक पर्यटन स्थल चन्द्रपुर में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री शाम 4:20 बजे पुलिस मुख्यालय हेलीपेड नवा रायपुर से हेलीकॉप्टर से रवाना होकर शाम 5 बजे खेल मैदान नगर पंचायत चन्द्रपुर पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री शाम 6 बजे से 7:30 बजे तक मां चन्द्रहासिनी देवी मंदिर दर्शन एवं दरहाघाट चन्द्रपुर में मां महानंदा चित्रोत्पला गंगा महानदी महाआरती महोत्सव 2024 में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय 7:30 बजे कार द्वारा रायगढ़ के लिए रवाना होंगे। जहां वे रात्रि 8 बजे रायगढ़ पहुंचकर रात्रि विश्राम करेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों को देवउठनी एकादशी की दी शुभकामनाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों को देवउठनी एकादशी और तुलसी विवाह की बधाई और शुभकामनाएं दी है। श्री साय ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि देवउठनी एकादशी का दिन शुभ और मंगलकारी माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार देवउठनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु चार माह की निद्रा से जागृत होते हैं। हिन्दुओं में इस दिन से सारे मांगलिक कार्यों की शुरुआत की जाती है। छत्तीसगढ़ में देवउठनी एकादशी का पर्व बहुत उत्साह और उमंग से मनाया जाता है। इस दिन भगवान शालिग्राम और देवी तुलसी का विवाह भी संपन्न किया जाता है। इस शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री ने कामना की है कि एकादशी का त्यौहार सबके जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए और सभी का जीवन मंगलमय हो।

यूक्रेन का रूस पर सबसे बड़ा ड्रोन हमला, मॉस्को में मची तबाही; 36 उड़ानें भी रद्द

मॉस्को (एजेंसी)। यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध में एक नया मोड़ आया है। यूक्रेन ने रूस की राजधानी मॉस्को पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है। रूस का दावा है कि उसने अधिकांश ड्रोनों को नष्ट कर दिया, लेकिन इस हमले में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। मॉस्को के दक्षिण-पूर्व में स्थित स्टानोवोय गांव में दो घरों में ड्रोन गिरने से आग लग गई। इस घटना में एक 52 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला का चेहरा, गर्दन और हाथ छर्रों से घायल हो गए हैं और उसे आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

रायपुर दक्षिण उपचुनाव-2024 : प्रचार के आखिरी दिन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने निकाली जन आशीर्वाद यात्रा

रायपुर दक्षिण उपचुनाव, चुनावी शोर थमा

रायपुर (विसं)। रायपुर दक्षिण विधानसभा में सोमवार की शाम चुनावी शोर थम गया। प्रचार खत्म होने से पहले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी के साथ रोड शो किया। दूसरी तरफ, कांग्रेस प्रत्याशी के लिए प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, और नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरणदास महंत ने घर-घर जाकर वोट मांगे। इससे पहले कांग्रेस ने प्रचार के आखिरी दिन रैली निकालने की अनुमति मांगी थी, लेकिन प्रशासन ने इसकी अनुमति नहीं दी।

रायपुर दक्षिण में 2 लाख 70 हजार से अधिक मतदाता 13 तारीख को वोट डालेंगे। वोटिंग की सारी प्रशासनिक तैयारियां पूरी हो चुकी है। शाम में चुनाव प्रचार खत्म होने से पहले सीएम साय, ने डिप्टी सीएम साव और भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी के साथ रोड शो किया। इस दौरान सांसद बृजमोहन अग्रवाल भी थे। पूर्व राज्यपाल रमेश बैस भी प्रचार वाहन में सवार थे। भाजपा का रोड शो जयस्तंभ चौक से निकला। इस दौरान सडक़ के दोनों तरफ लोगों की भीड़ थी। प्रचार वाहन के आगे कार्यकर्ता चल रहे थे। दक्षिण के इलाकों से नेताजी चौक, और फिर कटोरातालाब पहुंची। साय ने मतदाताओं से हाथ जोड़कर भाजपा प्रत्याशी को जिताने की अपील की। दूसरी तरफ, कांग्रेस के नेताओं ने आकाश शर्मा के पक्ष में सघन जनसंपर्क किया। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रत्याशी आकाश शर्मा के साथ गांधी मैदान से जनसंपर्क किया।

जनजातीय गौरव दिवस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में होंगे मुख्य अतिथि

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्य शासन द्वारा लिए गए निर्णय अनुसार 15 नवंबर को राज्य की राजधानी रायपुर सहित सभी जिला मुख्यालयों में जनजातीय गौरव दिवस आयोजित किया जा रहा है। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि होंगे। जिला मुख्यालयों में मंत्रीगण, सांसद एवं विधायक मुख्य अतिथि होंगे। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा राज्य के सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किए है कि जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति विभाग के निर्देशों के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बिलासपुर में श्री तोखन साहू राज्य मंत्री भारत सरकार मुख्य अतिथि होंगे। इसी तरह से मुंगेली में उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव, राजनांदगावं में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सूरजपुर में मंत्री श्री दयालदास बघेल, बस्तर में मंत्री श्री केदार कश्यप एवं कोरबा में मंत्री श्री लखन लाल देवांगन मुख्य अतिथि होंगे।

जस्टिस संजीव खन्ना बने देश के 51 वें मुख्य न्यायाधीश, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली (आरएनएस)। जस्टिस संजीव खन्ना ने देश के 51वें सीजेआई के तौर पर शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उन्हें शपथ दिलाई। राष्ट्रपति भवन के अशोक हॉल में संजीव खन्ना ने शपथ ली। इस दौरान समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

चुनाव में ईवीएम की उपयोगिता बनाए रखना, चुनावी बांड योजना को खारिज करना, अनुच्छेद-370 के निरस्तीकरण के फैसले को कायम रखना और दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लोकसभा चुनाव के दौरान प्रचार के लिए अंतरिम जमानत प्रदान करने के फैसले देने वाले बेंच में वो शामिल थे।

तीस हजारी कोर्ट से भारत के 51वें मुख्य न्यायाधीश तक का सफर : जस्टिस संजीव खन्ना दिल्ली के रहने वाले हैं और उन्होंने अपनी सारी पढ़ाई-लिखाई दिल्ली से ही की है। उनका जन्म 14 मई 1960 को हुआ था। उनके पिता न्यायमूर्ति देस राज खन्ना थे, जो दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त हुए थे।

साल 1983 में वो दिल्ली बार काउंसिल के साथ एक वकील के रूप में नामांकित हुए। शुरुआत में दिल्ली के तीस हजारी परिसर में जिला न्यायालयों में और बाद में दिल्ली के उच्च न्यायालय और संवैधानिक कानून, प्रत्यक्ष कराधान, मध्यस्थता जैसे विविध क्षेत्रों में न्यायाधिकरणों में प्रैक्टिस की। वाणिज्यिक कानून, कंपनी कानून, भूमि कानून, पर्यावरण कानून और चिकित्सा लापरवाही कानूनों पर उनकी जबर्दस्त पकड़ है।

18 जनवरी, 2019 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में उन्हें पदोन्नत किया गया। उन्होंने 17 जून 2023 से 25 दिसंबर 2023 तक सुप्रीम कोर्ट कानूनी सेवा समिति के अध्यक्ष का पद संभाला। वह वर्तमान में राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष और राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी, भोपाल के गवर्निंग काउंसिल के सदस्य भी हैं। संजीव खन्ना 13 मई, 2025 तक सीजेआई के पद पर रहेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप ने पुतिन से यूक्रेन संघर्ष को कम करने का आह्वान किया

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बातचीत में आग्रह किया कि वे यूक्रेन में चल रहे संघर्ष को और बढ़ाने से बचें।

यह कॉल फ्लोरिडा में ट्रंप की चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस पर निर्णायक जीत के कुछ दिन बाद ही हुई। इस बातचीत के दौरान ट्रंप ने मॉस्को के साथ और चर्चा करने की इच्छा जताई ताकि तनाव को कम किया जा सके और इस ढाई साल लंबे युद्ध का समाधान निकाला जा सके।

वॉशिंगटन पोस्ट के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, ट्रंप ने यूरोप में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि वे इस प्रभाव का उपयोग यूक्रेन संघर्ष के समाधान में करना चाहते हैं। ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान युद्ध समाप्त करने का वादा किया था और शांति की जरूरत पर बल दिया, हालांकि उन्होंने अभी तक कोई विशेष रणनीति या प्रस्ताव नहीं दिया है। पिछले बुधवार को ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से भी फोन पर बात की, जिसमें उद्योगपति एलोन मस्क के भी शामिल होने की खबर है। जेलेंस्की ने इसे बहुत अच्छी चर्चा बताया और कहा कि ट्रंप के संवाद को जारी रखने के रुख से उन्हें उम्मीद मिली है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने नई अमेरिकी सरकार के साथ सहयोग कर क्षेत्र में शांति और स्थिरता लाने के प्रति आशा व्यक्त की है। 2022 में शुरू हुए इस संघर्ष ने वैश्विक राजनीति पर गहरा असर डाला है, और इसके जल्द समाधान के संकेत कम ही नजर आ रहे हैं। हाल के घटनाक्रम से यह भी दिखता है कि रूस और यूक्रेन, दोनों भविष्य की वार्ताओं में बेहतर स्थिति में रहने के लिए रणनीतिक कदम उठा रहे हैं।

कोई भी धर्म प्रदूषण बढ़ाने को बढ़ावा नहीं देता, सालभर पटाखा बैन पर विचार करे सरकार : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने आज सवाल किया कि पटाखों पर स्थायी, राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया गया और दिल्ली में सिर्फ खास महीनों के दौरान ही प्रतिबंध लागू किए जाते हैं, जबकि राजधानी में वायु प्रदूषण साल भर मुद्दा बना रहता है। सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसा माना जाता है कि कोई भी धर्म किसी भी ऐसी गतिविधि को बढ़ावा नहीं देता, जो प्रदूषण को बढ़ाती है या लोगों की सेहत को नुकसान पहुंचाती है।

जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की सदस्यता वाली पीठ ने कहा कि अगर पटाखे इसी तरह से फोड़े जाते रहे तो इससे नागरिकों का सेहत का मौलिक अधिकार प्रभावित होगा। अदालत ने कहा, सिर्फ़ कुछ महीने ही क्यों? वायु प्रदूषण तो पूरे साल बढ़ता ही रहता है! अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि मौजूदा आदेश त्योहारी मौसम और उन महीनों में वायु प्रदूषण पर केंद्रित है जब हवा दिल्ली में प्रदूषण को बढ़ाती है। हालाँकि, पीठ इससे सहमत नहीं थी और उसने सुझाव दिया कि स्थायी प्रतिबंध पर विचार किया जाना चाहिए।

बता दें कि दिल्ली में अभी अक्तूबर से नए साल तक ही पटाखों पर प्रतिबंध लगाया जाता है। इसके बाद कोई बैन नहीं होगा, लेकिन आप सरकार इस बीच भी सख्ती से इसे लागू करने में विफल हो रही है। अब यही देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा कि दिल्ली में सालभर पटाखा बैन पर 25 नवंबर से पहले फैसला लें।

हेमंत ने चंपई सोरेन को अपमानित किया, बदला लेगी झारखंड की जनता : अमित शाह

सरायकेला (आरएनएस)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को झारखंड की सरायकेला सीट पर पूर्व सीएम और भाजपा प्रत्याशी चंपई सोरेन के लिए वोट मांगे। उन्होंने कहा कि चंपई सोरेन ने लंबे समय तक शिबू और हेमंत सोरेन के साथ वफादारी के साथ काम किया, इसके बाद भी उन्हें अपमानित कर निकाल दिया। चंपई सोरेन भ्रष्टाचार बंद करवाना चाहते थे, पर वे इसके लिए तैयार नहीं थे। जब चंपई सोरेन ने घुसपैठ का मुद्दा उठाया तो हेमंत सोरेन ने कहा कि आप मुख्यमंत्री की गद्दी छोड़ दीजिए। उन्हें जिस दिन से निकाला गया, उसी दिन से झारखंड में हेमंत सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गयी। भाजपा चंपई सोरेन का सम्मान करेगी।

केंद्रीय गृह मंत्री ने जेएमएम-कांग्रेस-राजद की सरकार को पूरे देश में सबसे ज्यादा भ्रष्ट सरकार करार दिया। उन्होंने कहा कि झारखंड के कांग्रेस सांसद के घर से 350 करोड़ रुपए मिले। रुपए गिनने के लिए लाई गईं 27 मशीनें थक गई। आलमगीर आलम यहां की सरकार में मंत्री थे। उनके पीए के घर से 30 करोड़ रुपए पकड़े गए। हेमंत सोरेन और कांग्रेस ने इसपर कुछ भी नहीं कहा। गृह मंत्री ने पूछा कि यह किसका पैसा था? फिर उन्होंने कहा कि यह झारखंड के युवाओं का पैसा था, जो कांग्रेसी खा गए। अमित शाह ने कहा कि जिन्होंने भी झारखंड के युवाओं का पैसा लूटा है, उनसे भाजपा की सरकार बनते ही पाई-पाई वसूला जाएगी। जिन्होंने भी भ्रष्टाचार किया है, उनकी जगह पीएम नरेंद्र मोदी के शासनकाल में जेल की सलाखों के पीछे हैं।

अमित शाह ने कहा कि इन्होंने एक हजार करोड़ का मनरेगा घोटाला, 600 करोड़ का जमीन घोटाला, 1000 करोड़ का खनन घोटाला और हजारों करोड़ का शराब घोटाला किया है। ये लोग सेना की जमीन तक खा गए। ये घोटाला करने वाली सरकार है। वहीं, मोदी जी गरीब बहनों को लखपति दीदी बनाने का काम करते हैं। उन्होंने लोगों से कहा कि हेमंत सोरेन की गारंटी कभी पूरी नहीं होती। जबकि मोदी की गारंटी पत्थर की लकीर होती है। उन्होंने कहा कि दस साल तक केंद्र में सोनिया मनमोहन की सरकार चली। उन्होंने झारखंड को मात्र 84 हजार करोड़ रुपये दिए। पर पीएम मोदी ने 3 लाख 90 हजार करोड़ रुपए दिए। लालू यादव, कांग्रेस और झामुमो के लोग मोदी जी का भेजा हुआ पैसा खा गए। शाह ने लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि आप झारखंड में भाजपा की सरकार बनाएं, मोदी जी उनके खाते में 2100 रुपये भेजेंगे। हम 500 में गैस सिलेंडर देंगे। हेमंत ने युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था, पर नहीं दिया।

योगी ने झारखंड में बंटोगे तो कटोगे और एक रहोगे तो सेफ रहोगे के नारों के साथ भाजपा प्रत्याशियों के लिए मांगे वोट

गढ़वा (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को झारखंड में चुनाव प्रचार अभियान के दौरान 'बंटोगे तो कटोगे' और 'एक रहोगे तो सेफ रहोगे' के नारों के साथ भाजपा प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे।

राज्य की भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा और राजद समाज को बांटना चाहते हैं, आपको उनके बहकावे में नहीं आना है। ये तीनों पार्टियां बांग्लादेशियों और रोहिंग्या के हितैषी हैं। योगी ने दावा किया कि 23 नवंबर के बाद राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी। झारखंड में भाजपा की जनसभाओं में उमड़ रही भीड़ और लोगों का उत्साह इसकी गवाही दे रहा है।

उन्होंने कहा कि झारखंड में मौजूदा सरकार के कार्यकाल में भू माफिया, खनन माफिया, पशु और वन माफिया पनप गए हैं। बांग्लादेशियों, रोहिंग्या और पत्थरबाजों को अराजकता की खुली छूट दे दी गई है। हमारी सरकार बनते ही तमाम पत्थरबाजों, गुंडों और माफिया का उपचार कर दिया जाएगा। योगी ने उत्तर प्रदेश का उदाहरण गिनाते हुए कहा कि वहां सुरक्षा में सेंध लगाने की कोशिश करने वालों और पर्व-त्योहारों में विघ्न डालने वालों का सीधे यमराज के यहां का टिकट कटता है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने झारखंड के सत्तारूढ़ गठबंधन की तीनों पार्टियों को घोर परिवारवादी करार दिया।

सेवानिवृत्त विंग कमांडर एमबी ओझा को दी गई राजकीय सम्मान के साथ भावभीनी विदाई

मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में विधायक श्री मिश्रा एवं कलेक्टर डॉ. सिंह ने अंतिम संस्कार पर उपस्थित होकर दी श्रद्धांजलि

विधायक पुरंदर मिश्रा कलेक्टर, एसएसपी ने विंग कमांडर के शव को दिया कंधा, सेना के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। सेवानिवृत्त विंग कमांडर एमबी ओझा को आज महादेव घाट स्थित मुक्ति धाम में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। श्री ओझा को सेना के जवानों के द्वारा गॉड ऑफ ऑनर दिया गया। श्री ओझा का 10 नंवबर को निधन हो गया था। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उनके प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं। मुख्यमंत्री श्री साय के प्रतिनिधि के रूप में आज विधायक श्री पुरंदर मिश्रा और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह महादेवघाट मुक्तिधाम पहुंचकर श्री ओझा के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। विधायक श्री मिश्रा, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह सहित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री संतोष सिंह और अन्य सैन्य अधिकारियों ने श्री ओझा की अंतिम यात्रा में पार्थिव शरीर को कंधा दिया। चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ, चीफ ऑफ एयर स्टाफ, जनरल आफिसर कमांडिंग इन चीफ मध्य कमान, जीओसी मध्य भारत एरिया, सीओएसए कमांडर की ओर सैन्य अधिकारियों ने श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर एसएसपी श्री संतोष सिंह, राज्य सैनिक बोर्ड के संचालक ब्रिगेडियर श्री विवेक शर्मा रिटायर्ड कर्नल, श्री धर्मवीर सिंह चौहान, कर्नल श्री सुमीत शर्मा, कर्नल श्री राकेश बरतवाल, एयरकुमाडोर श्री एलिक्स पिंटो, सहित सेना के अन्य अधिकारियों ने भी श्री ओझा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। विंग कमांडर के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए रायपुर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने कहा कि उनके निधन से रायपुर ही नहीं बल्कि देश ने एक महान सपूत खो दिया। श्री ओझा के निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा, विंग कमांडर श्री ओझा देश के सच्चे सपूत थे। अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा से किया। उनके राष्ट्र के प्रति योगदान को सदैव याद किया जाएगा।

पीएम मोदी ने झारखंड भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं के साथ किया संवाद, बोले- हमें राज्य को भ्रष्टाचार, माफियावाद और कुशासन से कराना है मुक्त

रांची (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत झारखंड भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं से संवाद किया। उन्होंने कहा कि झारखंड संभावनाओं से भरा राज्य है, लेकिन यहां शासन कर रही पार्टियों ने इसे तबाह कर रखा है।

प्रधानमंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आपकी मेहनत की नतीजा राज्य के कोने-कोने में दिखाई दे रहा है। चुनाव कार्यकर्ता लड़ते हैं और चुनाव लड़ने का तरीका भी संगठन और कार्यकर्ता आधारित होता है। आपकी मेहनत ने विपक्षी दल की नींद उड़ा दी है। झारखंड को हमें इनके भ्रष्टाचार, माफियावाद और कुशासन से मुक्त कराना है। इसमें कार्यकर्ताओं की भूमिका बड़ी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ऑनलाइन संवाद में कहा कि झारखंड समृद्ध राज्य है, लेकिन झारखंड के लोगों को गरीब रखा गया है। यहां विकास का अभाव और बेरोजगारी चरम पर है। इसका सबसे बड़ा कारण भ्रष्टाचार है। झारखंड का प्राकृतिक सौंदर्य अद्भुत है और यहां टूरिज्म की बड़ी संभावनाएं हैं, लेकिन इंफ्रास्ट्रक्चर के अभाव में यहां बहुत पर्यटक नहीं आते। झारखंड में जिस गति से विकास लाना है, उसमें डबल इंजन की सरकार की बेहद जरूरत है। 'सबका साथ सबका विकास' के साथ झारखंड का विकास भी हमारी प्राथमिकता है। झारखंड के कार्यकर्ता पोलिंग बूथ में जिस प्रकार से जुटे हैं, निश्चित रूप से वे परिणाम लाकर दिखायेंगे। 13 तारीख को मैं फिर से आपके बीच आने वाला हूं। संवाद के दौरान रांची के चुटिया मंडल भाजपा के बूथ अध्यक्ष राजीव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। उन्होंने झारखंड चुनाव के लिए भाजपा के संकल्प पत्र की चर्चा करते हुए कहा कि इसके सारे बिंदु महत्वपूर्ण हैं, पर गोगो दीदी योजना और युवा साथी भत्ता के तहत 2000 रुपये प्रतिमाह दिया जाने वाला है, उसका संदेश हर किसी तक पहुंच रहा है। इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी तारीफ की और कहा कि इससे संकल्प पत्र की ताकत नजर आती है। झारखंड भाजपा के संकल्प पत्र की चर्चा राष्ट्रीय मीडिया में हो रही है।

इसी तरह राजमहल से पंकज मंडल ने प्रधानमंत्री से बात की। उन्होंने कहा कि इस बार भी राजमहल में फिर से भाजपा प्रत्याशी जीतेंगे। उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार में युवाओं से छल किया जाता है। पेपर लीक होने से युवाओं में निराशा है। पीएम मोदी ने कहा कि बीते पांच सालों में कांग्रेस, झामुमो और राजद ने बड़े-बड़े वादे किए पर पूरे नहीं किए। कांग्रेस जहां-जहां सत्ता में है, वहां लोगों से बड़े-बड़े वादे कर उनको ठगा है। भाजपा की सरकार और एनडीए की सरकार जहां-जहां है, वहां हम अपने वादों को पूरा कर रहे हैं।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, मंगलवार 12 नवम्बर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ी अग्रवाल समाज कांग्रेस के समर्थन में सुशील सन्नी अग्रवाल

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के पुरानी बस्ती में आज चुनाव प्रचार के अंतिम दिन में दाऊ सुशील सन्नी अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ी अग्र युवा मंच के पदाधिकारी एवं अग्रवाल समाज के वरिष्ठ लोगो से कांग्रेस के प्रत्याशी भाई आकाश शर्मा के समर्थन में वोट करने के लिए अपील किया। अग्रवाल समाज के नागरिकों के द्वारा कांग्रेस के पक्ष में वोट देने हेतु अपनी सहमति जताते हुए कहा की छत्तीसगढ़ी अग्रवाल समाज कांग्रेस पार्टी के साथ हैं। इस कार्यक्रम में समाज के प्रबुद्ध जन सर्वश्री दाऊ अजय अग्रवाल, दाऊ जे.पी अग्रवाल, दाऊ अमित अग्रवाल, दाऊ प्रतीक अग्रवाल, दाऊ अंशुल अग्रवाल, दाऊ सौरभ अग्रवाल, दाऊ निलेश अग्रवाल, दाऊ आशीष अग्रवाल, दाऊ कुंजबिहारी अग्रवाल, दाऊ अभिनव अग्रवाल, दाऊ अंकुर अग्रवाल, दाऊ नीतेश अग्रवाल, दाऊ विवेक अग्रवाल, दाऊ जयंत अग्रवाल, दाऊ अक्षय अग्रवाल, दाऊ चंद्रशेकर अग्रवाल, दाऊ निकेत अग्रवाल, दाऊ देवर्षि अग्रवाल एवं अन्य युवा साथी भारी संख्या में उपस्थित रहें।

समाजसेवियों की सेवा भाव को एसडीएम ने सराहा, गौठान में गायों की कर रहे हैं देखभाल

आरंग (विश्व परिवार)। आरंग के स्वयंसेवी सामाजिक संगठनो से जुड़े समाजसेवियों द्वारा की जा रही सेवा भाव को एसडीएम पुष्पेंद्र शर्मा ने सराहा है। इन दिनों सामाजिक संगठनों से जुड़े समाजसेवीगण घुमरा भांठा आरंग के गौठान में पहुंचकर नगर पालिका के कर्मचारियों के साथ मिलकर गायों की देखभाल में सहयोग कर रहे हैं। समाजसेवियों ने बताया पर्याप्त चारा पानी और देखभाल की कमी के चलते गौठान के गायों की स्थिति कमजोर होती जा रही थी जिसे देखते हुए समाजसेवियों ने यह बीड़ा उठाया है। प्रतिदिन प्रात: पहुंचकर गायों को चारा पानी खिलाने तथा बीमार गायों को उपचार व देखभाल करने में सहयोग कर रहे हैं। जिसमें प्रमुख रूप से समाजसेवी राहुल जोशी, दूजेराम धीवर, महेन्द्र पटेल, कोमल लाखोटी, अभिमन्यु साहू, प्रतीक टोंड्रे, संजय मेश्राम, भागवत जलक्षत्री, मोहन सोनकर, भोलाराम साहू सक्रिय रूप से सहभागिता रहे हैं।

महिला चेम्बर द्वारा 9 नवम्बर को दीपावली मिलन समारोह का हुआ सफल आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज महिला चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष मधु ने बताया कि छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ़ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज महिला चेम्बर द्वारा 9 नवम्बर, दिनङ्क शनिवार 2024 को दीपावली मिलन समारोह का आयोजन चौधरी देवीलाल व्यापार उद्योग भवन, बाम्बे मार्केट, रायपुर में संपन्न हुआ जिसमे महिला चेंबर के पदाधिकारी सहित समस्त सदस्य गण बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। महिला चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष मधु अरोरा जी ने समारोह के शुभारंभ में सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं अतिथियों सहित प्रदेश के समस्त आम जनता को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन की कामना की साथ ही समारोह में उपस्थित सदस्यों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं दी। समारोह में महिला चेम्बर ने रंगारंग कार्यक्रम, खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमे वहां उपस्थित पदाधिकारी एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। तत्पश्चात प्रतिभागियों एवं सदस्यों को पुरस्कार वितरण किया गया। श्रीमती मधु अरोरा जी ने महिला चेंबर के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यों को संबोधित कर कहा कि दीपों का यह पर्व लोगों के जीवन में सुख समृद्धि और शांति लाती है, इस पावन अवसर पर आओ हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि स्वयं के अन्दर की बुराई रूपी अँधेरे को इस दीपावली पर्व के रौशनी से हमेशा के लिए मिटाएँ। कार्यक्रम के अंत में महिला चेंबर द्वारा चेंबर के कर्मचारियों को दीपावली उपहार भेंट किया गया।

प्रदीप उपाध्याय आत्महत्या की जाँच शुरू, कमिश्नर कावरे ने समक्ष 20 तारीख तक माँगे साक्ष्य

रायपुर (विश्व परिवार)। संभागायुक्त श्री महादेव कावरे ने रायपुर तहसील कार्यालय में पदस्थ शासकीय कर्मचारी प्रदीप उपाध्याय के आत्महत्या मामले की जाँच शुरू कर दी है। संभागायुक्त ने इस संबंध में आम जनों, संस्थाओं के साथ साथ कर्मचारी संघो से भी दस्तावेज, साक्ष्य और गवाही देने तिथि और समय सीमा तय की है। श्री प्रदीप उपाध्याय की आत्महत्या के मामले में संभागायुक्त के समक्ष 13 नवम्बर से 20 नवम्बर 2024 तक साक्ष्य पेश किए जा सकते है साथ ही मामले से जुड़े तथ्यों पर गवाही भी दी जा सकती है। आम जन, संस्था या कर्मचारी संघ प्रदीप उपाध्याय आत्महत्या के बारे में कोई भी दस्तावेज, साक्ष्य या गवाही कमिश्नर कार्यालय, रायपुर संभाग में कार्यालयीन समय सुबह 10 बजे से शाम साढ़े पाँच बजे तक उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। ग़ौरतलब है कि रायपुर तहसील कार्यालय में पदस्थ रहे सहायक ग्रेड-2 श्री प्रदीप उपाध्याय की आत्महत्या के मामले की जाँच के लिए राज्य शासन में संभागायुक्त श्री महादेव कावरे को जाँच अधिकारी नियुक्त किया है और जाँच कर जल्द से जल्द रिपोर्ट देने के निर्देश भी दिये गये है।

रायपुर नगर (दक्षिण) के मतदाता अधिकारियों-कर्मचारियों को मतदान के लिए 13 नवम्बर को मिलेगा सवैतनिक अवकाश

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर (दक्षिण) विधानसभा उप-निर्वाचन के लिए 13 नवम्बर को होने वाले मतदान हेतु विधानसभा क्षेत्र के मतदाता अधिकारियों-कर्मचारियों को मतदान के लिए सवैतनिक अवकाश मिलेगा। रायपुर के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव कुमार सिंह ने इस संबंध में निर्देशित करते हुए जिले के सभी विभागों के कार्यालय प्रमुखों को परिपत्र जारी किया है। उन्होंने परिपत्र के माध्यम से रायपुर जिले के सभी शासकीय/ अर्द्धशासकीय/ अशासकीय कार्यालयों में कार्यरत ऐसे अधिकारी-कर्मचारी जो रायपुर नगर (दक्षिण) विधानसभा क्षेत्र के मतदाता हैं, को मतदान के दिन मतदान करने के लिए सवैतनिक अवकाश प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा मतदान तिथि 13 नवम्बर को निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत स्थित कार्यालयों मे मतदान हेतु सार्वजनिक/सामान्य अवकाश घोषित किया गया है। चूँकि रायपुर शहर में अधिकांश कार्यालय रायपुर नगर (दक्षिण) विधानसभा क्षेत्र के परिसीमन क्षेत्र के बाहर अन्य स्थानों पर स्थित हैं, जहां क्षेत्र के मतदाता भी कार्य करते हैं। इसे दृष्टिगत रखते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान दिवस के दिन रायपुर नगर (दक्षिण) विधानसभा क्षेत्र के मतदाता अधिकारियों-कर्मचारियों को मतदान के लिए सवैतनिक अवकाश प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

1 अक्टूबर 2024 की अर्हता तिथि के आधार पर फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली की जाएगी तैयार

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग ने जारी किया आदेश

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 1 अक्टूबर 2024 की अर्हता तिथि के अनुसार फोटो युक्त निर्वाचक नामावली तैयार करने का आदेश जारी किया गया है। अब जो मतदाता 1 अक्टूबर 2024 तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके होंगे, वे आगामी स्थानीय नगरीय निकाय निर्वाचन में मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे। पूर्व में निर्वाचक नामावली हेतु 01 जनवरी 2024 की अर्हता तिथि निर्धारित की गई थी किन्तु राज्य शासन द्वारा नगरीय प्रशासन अधिनियम में संशोधन उपरांत 01 अक्टूबर 2024 की तिथि निर्धारित की गई है, जिसका प्रकाशन छत्तीसगढ़ राजपत्र में किया जा चुका है। यह प्रक्रिया चुनाव में पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए की जा रही है, ताकि सभी योग्य मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पूर्व में जारी आदेश में संशोधन किया गया है जिसके तहत् अर्हता तिथि अनुसार मतदाता सूची में नाम शामिल करने, हटाने तथा अद्यतन करने का कार्य किया जा सकेगा। नगरीय निकाय हेतु मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 16 अक्टूबर 2024 को किया जा चुका हैं। अब नवीन संशोधित जारी कार्यक्रम अनुसार दावे तथा आपत्तियां प्राप्त करना बुधवार 13 नवम्बर 2024 से तथा दावा/आपत्तियां प्राप्त करने की अंतिम तारीख व समय बुधवार 20 नवम्बर 2024 को दोपहर 3 बजे तक एवं दावा/आपत्तियों को निपटारे की अंतिम तारीख बुधवार 24 नवम्बर 2024 निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार प्ररूप क-1 में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को दावा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि बुधवार 27 नवम्बर 2024, प्ररूप क-1 में प्राप्त दावा का निराकरण करने की अंतिम तिथि शनिवार 30 नवम्बर 2024 तथा दावे/आपत्तियों के निराकरण आदेश के विरूद्ध अपील करने की अंतिम तारीख निराकरण आदेश पारित होने के 05 दिवस के भीतर निर्धारित किया गया है। निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन बुधवार 11 दिसम्बर 2024 को किया जाएगा।

मतदाता फोटो पहचान पत्र के अतिरिक्त 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेज दिखाकर भी कर सकते हैं मतदान

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर (दक्षिण) विधानसभा उप-निर्वाचन के लिए आगामी 13 नवम्बर को होने वाले मतदान के लिए वोटर मतदाता फोटो पहचान पत्र के अतिरिक्त 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेज दिखाकर भी मतदान कर सकते हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सभी मतदाताओं को निर्वाचक फोटो पहचान पत्र जारी किए गए हैं। आयोग सभी मतदाताओं से अपेक्षा करता है कि वे मतदान स्थल पर अपना मत देने से पहले अपनी पहचान सुनिश्चित करने के लिए आयोग की ओर से जारी निर्वाचक फोटो पहचान पत्र दिखाएंगे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती कंगाले ने कहा कि यदि कोई निर्वाचक फोटो पहचान पत्र नहीं दिखा पाता है तो भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उनके लिए 12 वैकल्पिक दस्तावेज भी अनुमत किए गए हैं। ऐसे निर्वाचक जो अपना निर्वाचक फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए 12 वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों यथा आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंकों/डाकघरों द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय द्वारा स्वास्थ्य बीमा स्कीम के तहत जारी स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, रजिस्टार जनरल ऑफ इंडिया (RGI) द्वारा नेशनल पापुलेशन रजिस्टर (NPR) के अंतर्गत जारी स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केंद्र/राज्य सरकार/लोक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किया गया फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों/ विधायकों/ विधान परिषद सदस्यों को जारी किया गया सरकारी पहचान पत्र तथा भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड दिखाकर मतदान कर सकते हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने सभी मतदाताओं से मतदान करने की अपील की

रायपुर नगर (दक्षिण) उप-निर्वाचन के लिए सुबहे 7 से शाम 6 बजे तक डाले जाएंगे वोट

2.71 लाख से अधिक मतदाता करेंगे अपने मताधिकार का उपयोग

मतदान के लिए बनाए गए हैं 253 मुख्य मतदान केंद्र और 13 सहायक मतदान केंद्र

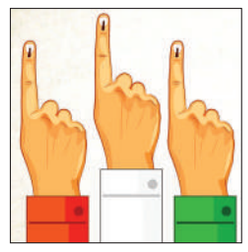

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने रायपुर नगर (दक्षिण) विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदाताओं से मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान करने की अपील की है। रायपुर नगर (दक्षिण) विधानसभा उप-निर्वाचन के लिए 13 नवम्बर को सवेरे सात बजे से शाम छह बजे तक वोट डाले जाएंगे। इसके लिए निर्वाचन क्षेत्र में 253 मुख्य मतदान केंद्र और 13 सहायक मतदान केंद्र बनाए गए हैं। उप-निर्वाचन में क्षेत्र के कुल दो लाख 71 हजार 169 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनमें एक लाख 33 हजार 800 पुरूष मतदाता, एक लाख 37 हजार 317 महिला मतदाता और 52 तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं।

दुर्ग में वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण की विवरणियाँ भरने हेतु एनएसओ द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित

दुर्ग (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, उप क्षेत्रीय कार्यालय, दुर्ग द्वारा आज, लोक निर्माण विभाग, कार्यपालन अभियंता कार्यालय, दुर्ग के कांफ्रेंस हॉल में वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण 2023-2024 में चयनित इकाइयों के स्वामी/प्रबंधक/लेखा विभाग को विवरणियाँ स्वयं भरने के लिए प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, रायपुर के उप महानिदेशक श्री अल्ताफ हुसैन हाजी ने किया।

इस कार्यक्रम में दुर्ग इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री सुशील बाकलीवाल तथा इंजीनियरिंग पार्क इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री प्रेमचंद देवांगन भी विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में जिला योजना एवं सांख्यिकी विभाग के उप संचालक श्री डी. एस. वर्मा, सहायक संचालक श्री सागर साहू, विश्वट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, रायपुर के वरिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी श्री आर.के. श्रीवास्तव ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उप महानिदेशक श्री अल्ताफ हुसैन हाजी ने प्रतिभागियों को इस कार्यशाला के महत्व एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में अवगत कराते हुए आहवान किया कि वे राष्ट्र हित के इस महत्वपूर्ण कार्य में अपना योगदान देते हुए अपनी इकाइयों की विवरणियाँ वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण के पोर्टल पर स्वयं संपूरित करने का प्रयास करें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक इकाई को आबंटित आई.डी. एवं पासवर्ड का उपयोग कर अपने उद्योग से सम्बंधित जानकारी निर्धारित समयावधि में पूर्ण करें जिससे देश की औद्योगिक गतिविधियों एवं प्रगति की सही जानकारी समय पर प्राप्त हो सके। उन्होंने औद्योगिक इकाइयों को आश्वस्त किया कि इस कार्य में उन्हें किसी तरह की कठिनाइयाँ आने पर विभाग के अधिकारियों द्वारा उन्हें मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, दुर्ग के प्रभारी श्री यासीन अली, श्री श्रीनि ई, श्री विजय कुमार राखोंडे, श्री विजय कुजूर, श्री डी.सी.साहू, श्री सुभाष साव व श्री संजय मांझी(वरिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारीगण) एवं क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर से श्री ओ.पी. साहू, श्री आर. एन. सोनी, अनूप बा, रौशन कुमार्कुमार व एस.के.राणा (वरिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारीगण) ने उपस्थित इकाइयों के प्रतिनिधियों का मार्गदर्शन किया।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज पहुंचे चैंबर

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि आज, रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में चेंबर से समर्थन मांगने प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल जी और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री दीपक बैज जी चेंबर भवन पहुंचे और चेंबर अध्यक्ष श्री अमर पारवानी जी, चेंबर पदाधिकारिगण एवं व्यापारियों के बीच अपनी-अपनी बात रखी।

इस अवसर पर श्री श्याम बिहार जायसवाल जी के साथ भाजपा के व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक श्री लाभचंद बाफना जी, श्री अशोक बजाज जी, भाजपा रायपुर शहर अध्यक्ष श्री जयंती पटेल जी एवं प्रेम आर्य जी उपस्थित थे। एवं श्री दीपक बैज जी के साथ नगर निगम सभापति श्री प्रमोद दुबे जी, कांग्रेस शहर अध्यक्ष श्री गिरीश दुबे जी एवं सुभाष बजाज जी उपस्थित रहे। बैठक में चेंबर की ओर से चेंबर प्रदेश अध्यक्ष श्री अमर पारवानी, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल, चेंबर कार्यकारी महामंत्री विकास आहूजा, उपाध्यक्ष कन्हैया गुप्ता, टी श्रीनिवास रेड्डी, नरेंद्र हरचंदानी, मनोज जैन, हीरा मखीजा, मंत्री निलेश मूंदडा, प्रशांत गुप्ता, राजेंद्र खटवानी, लोकेश साहू, जनक (राकेश) वाधवानी, अमित अग्रवाल, दिलीप इसरानी, गोल्डी लूनिया, सोएब अंसारी, युवा चैंबर महामंत्री कांति पटेल, युवा वरिष्ठ मंत्री हिमांशु वर्मा, योगेश भानुशाली, योगेंद्र नारंग, नवीन जैन, सुमित गुप्ता सहित व्यापारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर
(छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है, कि दीनदयाल आवास योजनांतर्गत **परसुलीडीह** रायपुर, स्थित भवन **क्रमांक एल.आई.जी.-38 श्रीमती ताड़िमेटि माणिक्यांबा पति श्री ताड़िमेटि शेषगिरि राव,** के नाम से स्वविक्तीय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन की लीजडीड दिनांक **24.04.2012** को पंजीकृत कराने के उपरांत पूर्ण मूल्य जमा कर इस कार्यालय के पत्र **क्रमांक 10099 दिनांक 27.08.2015** के माध्यम से आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया गया है । तद्युपरांत उक्त भवन का **दिनांक 12.06.2024** को हस्तांतरण विलेख निष्पादित करा लिया गया है। हस्तांतरण विलेख निष्पादन तद्उपरांत उक्त भवन को **क्रेता श्री प्रभात कुमार पिता श्री नरेन्द्र प्रसाद निवासी एल.आई.जी. 771 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सड्डू, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)** के पक्ष में दिनांक 23.10.2024 को विक्रय विलेख निष्पादित किया गया है। वर्तमान में **श्री प्रभात कुमार पिता श्री नरेन्द्र प्रसाद** के द्वारा उक्त भवन को फ्री-होल्ड पश्चात् अपने नाम पर मण्डल अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है ।

अत: उक्त भवन क्रमांक-38 का फ्री-होल्ड पश्चात् मण्डल अभिलेख में दर्ज किये जाने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्धशासकीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचन प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधेहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./15403/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 09-11-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15403
वार्ड का नाम- 17 - ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR108A0579A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DR. VINOD KUMAR AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VISHWANATH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **P VANDANA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **P PRAKASH RAO** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./15402/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 09-11-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15402
वार्ड का नाम- 17 - ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR108A00579** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DR. VINOD KUMAR AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VISHWANATH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SARASWATI YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SANJAY YADAV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /15703/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 11-11-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15703
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801H0089D** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BALJEET KAUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GURUDEV SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAKESH KUMAR AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BRAHMANAND AGRAWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./15676/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 11-11-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15676
वार्ड का नाम- 14- रमण मंदिर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 14 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR220A00175** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MRS. PHULKUNWAR BAI MAHESHWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O GANESH LAL MAHESHWARI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री विनोद माहेश्वरी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता - स्व. श्री गणेश लाल माहेश्वरी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल कबीर नगर कॉलोनी में निर्मित **एम.आई.जी. भवन योजना** के अंतर्गत भवनों में से भवन क्रमांक **MIG BLOCK NO 2 HOUSE NO. - 26, श्रीमती शौर्या चन्द्राकर (धरंधर) पति श्री अमित धुरंधर** को भाड़ाक्रय / पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक 30.11.24 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन **श्रीमती नाजली तबस्सुम पति श्री मासूम परवेज** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की है।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय / अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड / भवन से विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अंदर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर मंगलवार 12 नवंबर 2024

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने कानून व्यवस्था के संबंध में अपने अपने अधिकारियों की ली बैठक

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-कलेक्टर एस जयवर्धन एवं पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर, सभी एसडीएम, एसडीओपी, तहसीलदार, थाना प्रभारी व अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में चर्चा की गई और संबंधित अधिकारियों को संयुक्त रूप से कार्य करने को कहा ।

कलेक्टर श्री जयवर्धन ने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी अधिकारी सजग होकर आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। असामाजिक तत्वों के द्वारा की जाने वाली वारदातों, घटनाओं एवं विवादों पर पैनी नजर रखने कहा। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की असामाजिक गतिविधि की जानकारी मिलने और अप्रिय स्थिति निर्मित होने की दशा में त्वरित रूप में कड़ी कार्यवाही करें।

इसके अलावा कलेक्टर श्री जयवर्धन ने नशीली दवाइयों की अवैध आपूर्ति रोकने, सभी मेडिकल स्टोर में सीसीटीवी कैमरा लगवाने और प्रतिबंधित दवाइयों की बिक्री बिना चिकित्सक के पर्ची के नहीं होना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने कोटपा एक्ट के तहत तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर नियमित कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही उन्होंने नशामुक्ति के लिए सभी विभाग को समन्वय करते हुए सभी संभव उपाय करने के निर्देश दिए। जिले के युवाओं को बचाने के लिए नशामुक्ति जागरूकता अभियान स्कूल, कॉलेजों में आवश्यक रूप से चलाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत ठाकुर ने कहा कि कहीं भी धरना प्रदर्शन के समय कानून और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी संभव उपाय करें। उन्होंने बताया कि कई बार असामाजिक तत्वों द्वारा शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास किया जाता है। ऐसे में जनता के हित में ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए सभी जरूरी उपाय करें।

संक्षिप्त समाचार

श्री रामलला दर्शन हेतु श्रद्धालु अयोध्या धाम हुए रवाना

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम योजना जिले के स्थानीय निवासियों को अयोध्या धाम यात्रा की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से लागू की गई है। श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम यात्रा योजना 2024 के तहत आज जिले से अयोध्या धाम के लिए श्रद्धालु रवाना हुए। श्रद्धालु श्री राम लला के दर्शन के लिए बेहद उत्साहित नजर आए।

नाला में गिरा सांड, कई घंटे कोशिश से बचाई जान

कोरबा(विश्व परिवार)। सरकारी मिनीमाता गर्ल्स कॉलेज के पास एक उद्यान के किनारे नाला में गिरे सांड को निकाल लिया गया है। इस काम में गौ सेवकों ने चार घंटे तक कोशिश की। बाद में एक हाइड्रा की सहायता ली गई। सांड को निकाले जाने से सभी ने राहत की सांस ली। क्षेत्र के खुले नाले हादसों का दूसरा नाम भी बने हैं। इन नालों में आए दिन पशुओं के गिरने की घटनाएं हो रही हैं। बावजूद इसके संबंधित विभाग द्वारा नालों पर स्लैब लगाने का कार्य नहीं किया जा रहा। शहर की विभिन्न सामाजिक एवं गो संरक्षण संस्थाएं प्रशासन से गुहार लगा चुकी हैं। नालों में फंसे गोवंश को निकालने में भी प्रशासन की ओर से कोई मदद नहीं की जा रही। नगरीय निकाय कारणवश मरने वाले पशुओं को भी अपने स्तर पर उठाने का प्रयास नहीं करती। स्वयंसेवी संस्थाएं ही यह कार्य कर रही हैं। घंटाघर के समीप नाले खुले पड़े हैं। इन नालों पर निर्माण के बाद से ही स्लैब इत्यादि नहीं लगाए गए हैं। ऐसे में यहां आए दिन पशुओं के गिरने की घटनाएं हो रही हैं। घंटाघर बुधवारी मार्ग पर स्थित स्वर्गीय विशाहू दास दास स्मृति उद्यान के पास भी ऐसी घटना हुई। यहां एक सांड नाले में गिर गया। और बीते चार दिनों से नाले में ही विचरण कर रहा था नाले से बाहर निकलने में असमर्थ सांड को देख किसी राहगीर ने बाल गोपाल गौ सेवा समिति के सदस्यों को सूचित किया।

चोरी के सामान के साथ आरोपी गिरफ्तार

कोरबा(विश्व परिवार)। पुलिस अधीक्षक कोरबा श्री सिद्धार्थ तिवारी द्वारा क्षेत्र में हो रहे डीजल कोयला लोहा चोरी, जुआ सटटा आबकारी एवं अवैध कबाड के विरुद्ध सख्त कार्यवाही के लिये दिये गये निर्देशों के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री यू.बी.एस चैहान व नगर पुलिस अधीक्षक श्री विमल कुमार पाठक, दर्री, रूपक शर्मा थाना प्रभारी कुसमुण्डा के मार्गदर्शन में चोरी के प्रकरण में आरोपी की गिरफ्तार कर कार्यवाही करने के संबंध में दिशा निर्देश प्राप्त होने पर परिपालन मे प्रार्थी संजय कुमार दुबे पिता स्व. नागेंद्र नाथ दुबे उम्र 49 वर्ष साकिन प्रधान सुरक्षा प्रहरी महाप्रबंधक कार्यालय एसईसीएल कुसमुंडा जिला कोरबा द्वारा दिनांक 4-5.11.2024 के दरम्यानी रात को अज्ञात आरोपी के द्वारा 03 नम्बर वर्क शॉप एसईसीएल कुसमुंडा खदान से 04 नग लोहे का चैनल, 08 नग लोहे का प्लेट वजनी 06 क्विंटल को चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट पर पुलिस सहायता केन्द्र सर्वमंगला मे अपराध क्रमांक 361/24 धारा 303(2) बीएनएस दर्ज कर अज्ञात आरोपी की सरगर्मी से पतासाजी कि जा रही थी पतासाजी दौरान आरोपी राजू साहू से से पूछताछ करने पर घटना दिनांक 4-5.11.2024 को 03 नम्बर वर्क शॉप एसईसीएल कुसमुंडा खदान से चोरी करना स्वीकार किया जिसके कब्जे से 04 नग लोहे का चैनल, 08 नग लोहे का प्लेट वजनी 06 क्विंटल कीमती 20000 रुपये को जप्ती कार्यवाही कर आरोपी को पुलिस सहा. के. सर्वमंगला के द्वारा न्यायालय कटघोरा में न्यायिक रिमांड पर पेश किया गया।

सुविधाओं का जायजा लेगी वेलफेयर टीम

कोरबा(विश्व परिवार)। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की कंपनी वेलफेयर टीम इस महीने कोरबा जिले में 6 दिन तक उपस्थिति दर्ज कराएगी। चार क्षेत्रों में पहुंचकर वह इस बात को देखेगी कि कर्मचारियों के कल्याण के लिए क्या कुछ प्रयास किए गए हैं और क्या कुछ करना बाकी है। वेलफेयर टीम के आगमन से पहले संबंधित क्षेत्र में आवश्यक तैयारियां की जा रही है। ताकि सब कुछ ठीक-ठाक नजर आए और अच्छी रिपोर्ट ऊपर जाएं। कंपनी वेलफेयर टीम 11, 12 और 13 नवंबर को कोरबा जिले में संचालित साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के गेवरा और दीपिका क्षेत्र का निरीक्षण करेगी। इसमें कम्युनिटी वेलफेयर से संबंधित बिंदु को शामिल किया गया है।

प्रकरणों के शीघ्र निराकरण हेतु राजस्व शिविरों का किया जाएगा आयोजन

सोमवार और मंगलवार को सभी पटवारी अपने हल्के क्षेत्रों में अनिवार्य रूप से देंगे अपनी उपस्थिति

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की ली समीक्षा बैठक

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-कलेक्टर श्री एस जयवर्धन द्वारा संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, संयुक्त कलेक्टर श्री नरेंद्र पैकरा, डिप्टी कलेक्टर द्वय श्रीमती शिवानी जायसवाल एवं श्रीमती चांदनी कंवर, समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर ने राजस्व विभाग के कामकाजों की समीक्षा करते हुए राजस्व अधिकारी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदारों को निर्देशित करते हुए आमजनों के सभी समस्याओं एवं विभिन्न प्रकरणों का निराकरण समय सीमा में करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने बैठक में भूमि अधिग्रहण, सीमांकन, डायवर्सन, त्रुटि सुधार, बंदोबस्त, खसरा एवं नक्शा त्रुटि सुधार, अविवादित, विवादित नामांतरण, बंटवारा, भूमि आबंटन, जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र, पटवारी की उपलब्धता और अभिलेख दुरुस्तीकरण, भू-राजस्व वसूली, भू-अर्जन प्रकरणों का मुआवजा भुगतान की स्थिति आदि की विस्तार से जानकारी ली। कलेक्टर श्री जयवर्धन ने बैठक में लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। साथ ही सभी प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के लिए कहा। कलेक्टर श्री जयवर्धन ने सोमवार और मंगलवार को सभी पटवारियों को अपने हल्के क्षेत्रों में अनिवार्य रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज करने के दिए निर्देश। साथ ही अनुपस्थित रहने और राजस्व प्रकरणों के निराकरण को लेकर लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश भी कलेक्टर द्वारा दिए गए।

पुरातात्विक धरोहरों में कल्चुरी राजाओं का योगदान : लखनलाल देवांगन

कोरबा(विश्व परिवार)। भगवान सहस्त्रबाहु जयंतीः मारोह का आयोजन सर्ववर्गीय जायसवाल समाज ने भव्य शोभायात्रा निकालकर व महाआरती के साथ-साथ भंडारा व विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ समाज के प्रतिभावान लोगों का सम्मान कर जयंती समारोह का आयोजन कर बड़े धूमधाम से मनाया। सर्ववर्गीय जायसवाल समाज द्वारा पुराना बस स्टैण्ड स्थित रामजानकी मंदिर से भव्य शोभायात्रा का समाज के संस्थापक आनंद प्रसाद जायसवाल व अशोक जायसवाल, श्रीमती चंदा, कंचन, पल्लवी जायसवाल ने भगवान सहस्त्रबाहु की पूजा-अर्चना कर मुख्य मार्ग से निकाली गई शोभायात्रा मिशन रोड स्थित जायसवाल कल्चुरी भवन में संपन्न हुई। जहां स्वजातीय बंधुओं ने सहस्त्रार्जुन की पूजा-अर्चना कर महाआरती का आयोजन किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के श्रम, उद्योग व वाणिज्य मंत्री लखनलाल देवांगन के बतौर प्रतिनिधि पहुंचे पार्षद नरेन्द्र देवांगन ने भगवान सहस्त्रबाहु के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर भगवान की पूजा-अर्चना करते हुए समारोह को संबोधित करते हुए श्री देवांगन ने छत्तीसगढ़ ही नहीं पूरे देश में भगवान सहस्त्रबाहु को मानने वालों को समृद्ध और शिक्षित समाज बताते हुए कहा कि आज समाज के युवा उच्च पदों पर है। यहॉ के शिलालेखों ओर अन्य पुरातात्विक धरोहरों में कल्चुरी राजाओं के महत्वपूर्ण योगदान का पता चलता है। श्री देवांगन ने समाज की ओर से सौंपे गए मांग पत्र पर गंभीरता से विचार कर पूर्ण करने का आश्वासन देते हुए कहा कि सामाजिक विकास के लिए जब भी किसी भी प्रकार की मांग रखी जाएगी उसे पूरा किया जाएगा।

जिले में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया आंवला नवमी पर्व

कोरबा(विश्व परिवार)। सनातन परंपरा में आंवला नवमी का पर्व विशेष महत्त्व रखता है, और इसे कोरबा नगर व जिले में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कोरबा नगर, बालकोनगर, दर्री, जमनीपाली, दीपका, कटघोरा, कुसमुंडा सहित कई स्थानों पर विशेष रूप से वनभोज का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस पर्व पर लोगों ने आंवले के पेड़ की पूजा की। मातृशक्ति ने परंपरागत रूप से मौली धागा बांधकर आरोग्य और समृद्धि के लिए कामना की। आंवला को धार्मिक और स्वास्थ्य दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण माना जाता है। वनभोज में परिवार और समाज के लोगों ने एक साथ भोजन किया, जिससे सामाजिक एकता और सद्भाव का संदेश दिया गया। आंवला नवमी पर्व के साथ जिले में वनभोज पिकनिक का सिलसिला शुरू हो गया है। रविवार को कोरबा के पप्पू गार्डन कॉफी प्वाइंट सर्वमंगला उद्यान महादेव प्रकृति दर्शन केंद्र सतरेंगा, जलविहार केंद्र बुका, केंदई और कटघोरा के पास झोरा घाट बांगो डैम में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति दर्ज हुई। लोगों ने दर्शन पूजन के साथ पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी यहां लिया।

पुलिस की सख्त वाहन चेकिंग से शराबियो में मचा हड़कंप

150 वाहन चालकों के विरूद्ध हुई एमव्ही एक्ट की कार्यवाही, 63400 रूपये वसूल की गई समन शुल्क

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-शराब पीकर वाहन चलाने और यातायात नियमों का उल्लघन करने वालों की अब खैर नहीं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने थाना-चौकी प्रभारियों को सड़क दुर्घटना न हो इसे ध्यान में रखते हुए शराब पीकर वाहन चलाने तथा यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले लोगों के विरूद्ध सख्ती से कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। जिसके बाद से ही पुलिस की सख्ती देखी जा रही है और पुलिस अलग-अलग समय में योजनाबद्ध तरीके से वाहन चेकिंग का अभियान चला रही है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो के मार्गदर्शन में थाना-चौकी की पुलिस के द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ इस अभियान में रविवार, 10 नवम्बर 2024 को 2000 लोगों का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस ने छोटे-बड़े सभी वाहनों को रोकवाकर वाहन चालक शराब का सेवन किए है या नहीं उसकी जांच ब्रेथ एनालाइजर से किया, हालाकि कोई भी वाहन चालक शराब के नशे में नहीं पाया गया। इस चेकिंग अभियान में 150 वाहन चालक जो बिना हेलमेट, बिना लायसेंस, बिना सीटबेल्ड, दो पहिया वाहन में तीन सवारी व बिना दस्तावेज एवं यातायात नियमों का उल्लघंन करने पर उनके विरूद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत् कार्यवाही कर 63400 रूपये का समन शूल्क अर्जित कर शासन के कोष में जमा किया है। इस दौरान पुलिस के अधिकारियों ने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने की समझाईश भी दिया। चेकिंग के दौरान संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की भी चेकिंग की गई।

पात्र किसानों को धान उपार्जन केंद्रों में न हो किसी प्रकार की परेशानी-कलेक्टर

14 नवंबर से प्रारंभ होने वाली धान खरीदी के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

एसडीएम,तहसीलदार, सहित, खाद्य, कृषि, राजस्व, सहकारिता, विपणन विभाग के अधिकारियों की ली बैठक

कोरबा(विश्व परिवार)। प्रदेश सहित कोरबा जिला में खरीफविपणन वर्ष 2024-25 के तहत 14 नवंबर से 31 जनवरी 2025 तक होने वाली धान उपार्जन की तैयारी को लेकर कलेक्टर श्री अजीत कुमार वसंत ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर निर्देश दिए कि जिले के पात्र किसानों से धान खरीदी के लिए सहयोगात्मक रवैया अपनाते हुए, सकारात्मक वातावरण बनाएं। इसके साथ ही अवैध धान की खरीदी बिक्री को रोकने के लिए कोचियों, बिचैलियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाए। उन्होंने धान खरीदी की आरंभिक तैयारी के संबंध में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, कृषि, खाद्य, सहकारिता, विपणन संघ, नागरिक आपूर्ति निगम, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित एवं मंडी विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान उपार्जन के लिए सभी एसडीएम अपने अनुभाग के नोडल अधिकारी होंगे और धान उपार्जन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अनियमितता स्वीकार नहीं की जायेगी। इसके लिए उन्होंने सभी को सर्तक होकर गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने निर्देश दिए कि धान उपार्जन प्रक्रिया में संलग्न अधिकारी कर्मचारी धान उपार्जन हेतु शासन द्वारा निर्धारित नई नीति, दिशा निर्देशों का पूर्णत: पालन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि धान उपार्जन की सुचारू प्रक्रिया के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली जाए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जिस धान उपार्जन केंद्र पर धान चबूतरा नहीं है वहां पर दो लेयर में ड्रेनेज सुनिश्चित करें। इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीनों का सत्यापन करा लिया जाए। यदि किसी केंद्र पर इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन में तकनीकी खराबी आती है तो उसी दिन उसका सुधार कराकर मशीन से ही धान का तौल किया जाए। कलेक्टर ने बताया कि अधिकतम 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी निर्धारित की गई है। धान कॉमन के लिए 2300 रुपए प्रति क्विंटल तथा धान ग्रेड ए के लिए 2320 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है। उपार्जन हेतु लघु एवं सीमांत किसानों के लिए 2 टोकन तथा बड़े किसानों के लिए 3 टोकन जारी किए जाएंगे। मोबाइल ऐप टोकन तुंहर हाथ के माध्यम से आसानी से टोकन प्राप्त कर धान उपार्जन किया जाएगा। इसके साथ ही समिति के माध्यम से रविवार से शुक्रवार तक सुबह 9: 30 बजे से शाम 5 बजे तक टोकन जारी किए जाएंगे। धान खरीदी के लिए किसानों को न्यूनतम 7 दिवस के बाद का टोकन जारी किया जाएगा। बैठक में कलेक्टर श्री वसंत द्वारा धान की रिसाईकलिंग रोकने हेतु अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदारों एवं संबंधित विभागो को सख्त निर्देश दिए गए। उन्होंने जिले में अवैध धान खरीदी को रोकने हेतु गठित जांच दल को निरंतर प्रभार क्षेत्र में निरीक्षण करने हेतु निर्देशित किया तथा कोचियों/बिचैलियों एवं धान खरीदी केन्द्रो में अनियमितता पाए जाने पर मंडी अधिनियम के तहत प्रकरण निर्मित करने हेतु निर्देशित किया।

संपादकीय

सिख अलगाववादियों पर हमले बेतुका और निराधार

सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कनाडाई मंत्री के आरोपों को बेतुका और निराधार' करार देते हुए खारिज कर दिया। इससे पहले नई दिल्ली स्थित कनाडाई उच्चायोग के प्रतिनिधि को तलब किया गया और उन्हें एक नोट सौंपा गया जिसमें कनाडाई मंत्री के आचरण पर नाराजगी जताई गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि नोट में भारत सरकार ने कनाडा के उपमंत्री डेविड मॉरिसन के आरोप पर गहरी नाराजगी जताई। मॉरिसन ने एक संसदीय पैनल के समक्ष कहा था कि कनाडा में सिख अलगाववादियों पर हमले की साजिश के पीछे पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के एक शीर्ष पदस्थ अधिकारी थे। दरअसल, कनाडा पुलिस ने जब से खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच के दौरान मिले सबूतों' के आधार पर भारत सरकार के एजेंटों का नाम लिया है, तब से दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास उभर आई है। कनाडा पुलिस ने कहा है कि उसकी जांच में कनाडा में हत्याओं और हिंसक कृत्यों' और भारत सरकार के एजेंटों के बीच संबंधों का पता चलता है। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के चलते दोनों ने एक दूसरे के राजनयिकों को वापस बुला लिया। कनाडा तनाव बनाए रखने का रवैया अपनाए हुए है, और बीते मंगलवार को कनाडाई मंत्री का बयान इसी सिलसिले का हिस्सा है। कनाडा आखिर, भारत के साथ संबंधों की कीमत पर इस प्रकार का रवैया क्यों अपनाए हुए है। दरअसल, कनाडा में निकट भविष्य में चुनाव होने हैं, और वहां सिखों की खासी आबादी है, जिस पर अलगाववादी खासा प्रभाव रखते हैं। इनके मतों पर प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की नजर है। इसलिए इन मतदाताओं के तुष्टिकरण की गरज से कनाडा गैर-जिम्मेदाराना हरकत किए जा रहा है। सबूत मांगे जाने की भी अनदेखी कर रहा है। राजनयिक परिपाटियों का घोर उल्लंघन' करने तक से नहीं चूक रहा। उसने भारत को साइबर खतरा पैदा करने वाले देशों की सूची तक में डाल दिया है। कनाडा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों को ऑडियो और वीडियो निगरानी में रखकर उनका उत्पीडन' शुरू कर दिया है। वह हर वो कोशिश कर रहा है जिससे भारत के खिलाफ वैश्विक विमर्श को प्रभावित कर सके। जो भी आरोप लगा रहा है, उसके समर्थन में कोई प्रमाण भी पेश नहीं कर रहा।

खुली आंखों और संविधान वाली देवी.....

आम धारणा है कि न्याय की देवी की आंखों पर बंधी पट्टी यह बताती है कि कानून अंधा होता है। ऐसी समझ को लेकर साल 1983 में अंधा कानून नाम से एक लोकप्रिय फिल्म तक बन चुकी है। यहां तक कि न्याय की देवी...

संजय पारिख

आम धारणा है कि न्याय की देवी की आंखों पर बंधी पट्टी यह बताती है कि कानून अंधा होता है। ऐसी समझ को लेकर साल 1983 में अंधा कानून नाम से एक लोकप्रिय फिल्म तक बन चुकी है। यहां तक कि न्याय की देवी के हाथों में तराजू के झुके पलड़े को अन्याय के संकेत के रूप में ही दिखाया जाता रहा है। मगर अब ये सब बातें इतिहास बन जाएंगी। न्याय की देवी की नई प्रतिमा न सिर्फ खुली आंखों वाली है, बल्कि तलवार की जगह इनके हाथ में संविधान है। तराजू के पलड़ों को भी अब बराबर कर दिया गया है। देवी का रंग भी श्वेत कर दिया गया है। खबरों की मानें, तो ऐसा इसलिए किया गया है, क्योंकि भारत गुलामी के सभी संकेतों से बाहर निकलना चाहता है। आंखों से पट्टी हटाकर यह बताया गया है कि कानून कभी अंधा नहीं होता। तलवार को हिंसा का संकेत समझा गया था और इसे हटाकर बताया गया है कि देश संविधान से चलता है। तराजू के बराबर पलड़े का अर्थ है, सभी के लिए न्याय के समान अवसर। श्वेत रंग संभवत: शुभ या शुचिता का संकेत देता है। बहरहाल, न्याय की देवी के पुराने संकेतों को हम अपने तईं विश्लेषण करने को स्वतंत्र हैं, लेकिन न्याय का तकाजा यही है कि हम उसे उसी नजर से देखें, जिस नजर से इसे स्वीकार किया गया था। 16वीं सदी से न्याय की देवी को आंखों पर पट्टी बांधे दिखाया जाता रहा है। उस वक्त इसे निष्पक्षता का प्रतीक समझा गया था। सोच यही थी कि बंद आंखों से न्याय अपने सम्मुख आने वाले लोगों में पैसे, पावर या रुतबे के आधार पर कभी कोई भेदभाव नहीं करेगा। मगर हम इस प्रतीक को न्याय-प्रक्रिया में कितना उतार सके हैं, यह जानना जरूरी है? स्थिति यह है कि आज भी वकालतखाने में यह चर्चा अमूमन होती है कि अदालत में पेश होने वाले अभियोजन या अभियोग पक्ष के रुतबे को देखकर न्याय प्रभावित हो जाता है। शायद हम न्याय की देवी की बंधी आंखों का अर्थ न्याय-प्रक्रिया में उतारने में सफल नहीं हो पाए हैं। इसी तरह, तराजू का एक पलड़ा झुका रहने का संकेत था कि दोनों पक्षों की बहसों को सुनने के बाद न्याय का फैसला उसके हक में दिया जाएगा, जिसके गवाह और तर्क में दम हो। अदालत में सच एक पक्ष के ही साथ खड़ा होता है, जो कि निष्पक्ष विवेचना के बाद वजनदार साबित होता है। रही बात तलवार की, तो उसका मतलब था, न्याय शीघ्रता से और अंतिम तौर पर मिले। तलवार को इस बात का प्रतीक माना गया था कि बिना किसी देरी और उलझन के सही फैसला दिया जाएगा। जाहिर है, अगर हम इन संकेतों का शाब्दिक अर्थ लगाएंगे, तो अनर्थ ही करेंगे। यहां नए संकेतों का अर्थ समझना भी आवश्यक है। कहा गया है कि तराजू का बराबर पलड़ा समाज में संतुलन का प्रतिनिधित्व कर रहा है, जबकि हाथ में संविधान का मतलब है, संचालन-प्रक्रिया का सांविधानिक प्रावधानों के अनुरूप होना। आंखों से पट्टी हटने का संकेत है, सबको समान रूप से देखना। यानी, नए संकेतों के अर्थ भी करीब-करीब पुराने प्रतीकों को ही ध्वनित कर रहे हैं। इसी कारण न्याय की प्रतिमा में किए गए हालिया बदलावों को सांकेतिक ही अधिक माना जा रहा है। कहा जा रहा है कि इन सबके बजाय यदि हम न्याय की देवी द्वारा इंगित मूल्यों में संजीदगी दिखाते, तो कहीं बेहतर होता। हमें देखना यह भी चाहिए कि आखिर भारतीय न्याय-व्यवस्था को लेकर आम धारणा इतनी कटु क्यों है? यह क्यों माना जाता है कि यहां न्याय देर से मिलता है, जबकि अदालतों में तारीखें अनवरत मिलती रहती हैं? प्रस्तावना में जिस सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की वकालत की गई है, उसे वास्तविक अर्थों में साकार करने में हम अब तक क्यों विफल रहे हैं? कानून के सम्मुख सभी के समान होने का जो निर्देश संविधान देता है, उसे हम अपनी व्यवस्था में पूरी तरह क्यों नहीं उतार सके हैं? जब तक इन सवालों के उचित जवाब हम नहीं खोज लेते हैं, तब तक न्याय की देवी के प्रतीक-चिह्नों की सार्थकता कठघरे में खड़ी की जाती रहेगी। कुल मिलाकर, प्रतीकात्मक बदलावों का भारतीय न्याय-व्यवस्था पर सीधे शायद ही कोई असर पड़ेगा। देखना यह जरूरी था कि न्याय की देवी के प्रतीक-चिह्नों से जो मूल्य निकल रहे हैं, उसे हम कितना सुन-समझ पाए हैं? अगर नहीं समझ रहे, तो उसे सुनने-समझने के प्रयास होने चाहिए थे। यह कहीं ज्यादा जरूरी कवायद होती। इसी कारण यह कहा जा रहा है कि अदालतों के मौजूदा व्यवहार और व्यवस्था में जल्द बदलाव नहीं हुआ, तो यह स्थिति आगे भी बनी रह सकती है और तब न्याय की देवी बस एक निरर्थक संकेत बनकर रह जाएगी। असल में, प्रतीक-चिह्न एक पहचान के रूप में काम करते हैं। हर संस्थान के पास अपना एक प्रतीक-चिह्न होता है, जिससे वह अपने कर्म का संदेश देता है। अन्य देशों में अलग-अलग व्यवस्था है, लेकिन साझा मत यही है कि इन प्रतीक-चिह्नों से जो प्रतीकात्मक अर्थ निकल रहा है, वह हर हाल में साकार हो। भारतीय अदालतें इस मामले में उम्मीदों पर पूरी तरह खरी नहीं उतर सकी हैं। लिहाजा, इन संकेतों के सार्थक होने के लिए हमें कुछ अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। मसलन, अदालतों में वकील पूरी तैयारी के साथ आएं; मामले इस तरह पेश किए जाएं कि न्याय जल्दी मिल सके; मुकदमों का उचित वर्गीकरण हो; अलग-अलग जजों के एक ही मुद्दे पर अलग-अलग विचार न हों; जजों की पर्याप्त संख्या हो; अदालतों पर मुकदमों के लगातार बढ़ते बोझ कम करने के सार्थक प्रयास किए जाएं, आदि। ऐसे तमाम उपायों से ही भारतीय न्याय-व्यवस्था की लेट-लतीफी की बन चुकी आम धारणा खंडित हो सकेगी। अदालत में सच एक पक्ष के ही साथ खड़ा होता है, जो कि निष्पक्ष विवेचना के बाद वजनदार साबित होता है। रही बात तलवार की, तो उसका मतलब था, न्याय शीघ्रता से और अंतिम तौर पर मिले। तलवार को इस बात का प्रतीक माना गया था कि बिना किसी देरी और उलझन के सही फैसला दिया जाएगा। जाहिर है, अगर हम इन संकेतों का शाब्दिक अर्थ लगाएंगे, तो अनर्थ ही करेंगे। यहां नए संकेतों का अर्थ समझना भी आवश्यक है। कहा गया है कि तराजू का बराबर पलड़ा समाज में संतुलन का प्रतिनिधित्व कर रहा है, जबकि हाथ में संविधान का मतलब है, संचालन-प्रक्रिया का सांविधानिक प्रावधानों के अनुरूप होना। आंखों से पट्टी हटने का संकेत है, सबको समान रूप से देखना। यानी, नए संकेतों के अर्थ भी करीब-करीब पुराने प्रतीकों को ही ध्वनित कर रहे हैं। इसी कारण न्याय की प्रतिमा में किए गए हालिया बदलावों को सांकेतिक ही अधिक माना जा रहा है। कहा जा रहा है कि इन सबके बजाय यदि हम न्याय की देवी द्वारा इंगित मूल्यों में संजीदगी दिखाते, तो कहीं बेहतर होता। हमें देखना यह भी चाहिए कि आखिर भारतीय न्याय-व्यवस्था को लेकर आम धारणा इतनी कटु क्यों है? यह क्यों माना जाता है कि यहां न्याय देर से मिलता है, जबकि अदालतों में तारीखें अनवरत मिलती रहती हैं? प्रस्तावना में जिस सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की वकालत की गई है, उसे वास्तविक अर्थों में साकार करने में हम अब तक क्यों विफल रहे हैं? अभी यह सोचने का उचित अवसर है कि भारतीय कानून-व्यवस्था के 'अंधे' होने की धारणा बनी क्यों?

आलेख

ईवीएम पर संदेह की उंगली

तनवीर जाफरी

हरियाणा विधानसभा चुनाव के अप्रत्याशित परिणामों ने पूरे देश के न केवल सभी प्रमुख एजेंसीज द्वारा किए गए एक्जिट पोल्स को बुरी तरह झुठला दिया था, बल्कि बड़े-बड़े राजनैतिक विश्लेषकों को भी हैरानी में डाल दिया था। मजे की बात तो यह कि केवल कांग्रेस पार्टी ही हरियाणा में सत्ता में वापसी की उमीदों को लेकर गद्गद् नहीं थी, बल्कि स्वयं भाजपा को भी यह अहसास था कि किसान आंदोलन, अग्निवीर योजना, पहलवानों, महंगाई जैसे तमाम ज्वलंत मुद्दे उठने के बाद राज्य में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में इनके अलावा भाजपा को दस वर्ष की सत्ता विरोधी लहर का भी सामना करना पड़ सकता है। इसी आशंका के कारण भाजपा ने लगभग 35 प्रतिशत वर्तमान विधायकों के टिकट काट दिए थे। टिकट कटने वालों में कई मंत्री भी शामिल थे। भाजपा की इस कवायद के बावजूद उसके 12 में से 9 मंत्री चुनाव में पराजित हो गए। हद तो यह है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा की सीटों को भी बदल दिया गया था। इन सबके बावजूद नायब सिंह सैनी और अनिल विज जैसे नेताओं को भी मामूली मतों से ही जीत हासिल हुई। राज्य में 10 विधानसभा सीटें तो ऐसी रही जहां बीजेपी की जीत का अंतर 5 हजार से भी कम रहा। चूंकि हरियाणा में विधानसभा के नतीजे कांग्रेस के लिए अप्रत्याशित थे, इसलिए कांग्रेस ने सीधा आरोप लगा दिया कि हरियाणा चुनाव में उसे हरवाया गया है। उसका आरोप था कि कई जगह ईवीएम को हैक किया गया। इस सबके बीच सवाल यह भी उठा कि अनेक ईवीएम इंडिकेटर में बैटरी की मात्रा 90 व 95त्न तक दिखा रही थी, जबकि मतदान के अंतिम समय में प्राय: ईवीएम की बैटरी चार्जिंग की मात्रा 60-70 फीसद के बीच या इससे भी कम ही हुआ करती है। कांग्रेस का आरोप था कि जहां-जहां ईवीएम में बैटरी कम थी वहां-वहां कांग्रेस को प्राय: बढ़त मिली। इस आरोप का सीधा अर्थ है कि ईवीएम को बदल दिया गया था। कांग्रेस द्वारा 20 सीटों पर इस तरह की गड़बड़ी होने की शिकायत दर्ज कराई। सवाल यह है कि बीती 17 मार्च को भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन के समय पर मुंबई में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था, राजा की आत्मा ईवीएम में है', उस समय राहुल गांधी ही नहीं, बल्कि एमके स्टालिन और फारूक अब्दुल्ला जैसे अनेक बड़े नेताओं ने भी ईवीएम का मुद्दा उठाया था। और उस समय भी सभी का ईवीएम को लेकर एक ही स्वर था कि यदि उनकी सरकार आएगी तो वे ईवीएम को हटा देंगे। सवाल यह है कि हरियाणा के साथ-साथ जम्मू कश्मीर विधानसभा के भी चुनाव परिणाम आए तो जम्मू कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन को मिले स्पष्ट बहुमत को स्वीकारा जा रहा है, लेकिन हरियाणा में भाजपा को मिली जीत प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस को पच नहीं पा रही। और वे खिसियायी बिल्ली खंबा नोचे के अंदाज में अपनी हार की भड़ास ईवीएम के त्रुटिपूर्ण होने की बात कहकर निकाल रहे हैं। बेशक, लोकतंत्र को सबको अपनी बात या राय रखने का हक है, लेकिन आचरण में दोहरापन नहीं होना चाहिए। यदि कांग्रेस के नेता हरियाणा में ईवीएम की कार्यप्रणाली में त्रुटियां निकाल रहे हैं तो फिर जम्मू कश्मीर विधानसभा परिणामों से सहमत क्यों? इससे पता चलता है कि वे अपनी हार को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं, और चुनाव प्रक्रिया का अभिन्न और अविश्सनीय अंग बन चुके जरिए पर सवाल खड़े कर रहे हैं। इस प्रकार का आचरण किसी भी सूरत में लोकतंत्र के हित में नहीं है। उसे ध्यान रहना चाहिए कि पिछले लोक सभा चुनावों में इंडिया गठबंधन ने बेहतर प्रदर्शन किया था। उत्तर प्रदेश और हरियाणा में भी अच्छा प्रदर्शन रहा। उस समय भी किसी ने ईवीएम पर इतना दोष नहीं मढ़ा। कर्नाटक में जीते तो भी ईवीएम ठीक थी? और इन सबसे बड़ी बात यह कि जब विपक्षी दलों के नेता ईवीएम को ही गलत बताते हैं फिर आखिर अब तक पूरे विपक्ष ने मिल कर ईवीएम के विरुद्ध संयुक्त रूप से कोई बड़ा आंदोलन क्यों नहीं किया? यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट के कई वरिष्ठ वकीलों और सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा चलाए जा रहे ईवीएम विरोधी आंदोलन का भी किसी राजनैतिक दल ने खुल कर साथ नहीं दिया था? यदि वास्तव में ईवीएम निष्पक्ष चुनाव प्रभावित करने की क्षमता रखती है तो निश्चित रूप से यह लोकतंत्र के लिए घातक है। सभी राजनैतिक दलों को राष्ट्रीय स्तर पर इसका विरोध करना चाहिए। यहां तक कि यदि सत्ता पक्ष के भी कई वरिष्ठ नेता, तकनीकी एक्सपर्ट और पूरा विपक्ष ईवीएम से चुनाव नहीं चाहता।

जनता के चुने हुए प्रतिनिधि की जिम्मेदारी का निर्वाह

रजनीश कपूर

चौदहवीं लोक सभा के अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने अपने एक वक्तव्य में कहा था कि संसद का बहिष्कार करने वाले सांसदों का दैनिक भत्ता काट लिया जाना चाहिए। आपको शायद ज्ञात हो कि लोक सभा सत्र के दौरान मात्र एक मिनट की कार्यवाही पर सदन का खर्चा लगभग ढाई लाख रुपए आता है। चटर्जी का मानना था कि ऐसे कानूनी प्रावधान या नियम तय किया जाना चाहिए जिनसे सांसद सदन के प्रति अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाएं। पर अफसोस है कि इस महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर तब से अब तक ऐसा कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया। निस्संदेह यह गंभीर समस्या है कि जनता के चुने हुए प्रतिनिधि चाहे वे सांसद हो या विधायक अक्सर सदन के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह गंभीरता से नहीं करते। वैसे तो सांसदों के आचरण से क्षुब्ध हो कर तत्कालीन दिवंगत लोक सभाध्यक्ष जीएमसी बालयोगी ने भी यह मांग उठाई थी और कुछ सख्त कार्यवाही पर सहमति भी बनी थी पर उसे लागू करने में विभिन्न पार्टी नेताओं की आनाकानी से उसमें वे सफल नहीं हो पाए थे, परंतु इस मुद्दे पर यदि गंभीरता से सभी पार्टी नेता अपना सहयोग सांसदों के आचरण के सुधार की पहल में करते हैं तो कोई कारण नहीं जो लोक सभा की कार्यवाहियों के समय को जाया जाने से बचाया न जा सके। अगर ऐसा लोक सभा में हो जाता है तो इससे सीख लेकर प्रदेश सरकार अपने-अपने विधानसभाओं में विधायकों को सांसदों के आचरण का अनुसरण जैसी सीख देने में सफल हो सकते हैं वरना जनता के खून-पसीने की कमाई को यूं ही जनसेवक बर्बाद करते रहेंगे और जनता यूं ही देखती रह जाएगी। ऐसे तमाम उदाहरण हैं जहां सांसदों के आचरण के कारण कई लोक सभा सत्र के दौरान हो-हल्ला मचने से बर्बाद हुए। अब आप समझ सकते हैं कि मात्र एक मिनट लोक सभा कार्यवाही का खर्चा जब ढाई लाख रुपए आता है तो बीते लोक सभा सत्रों के दौरान इतने समय की कीमत से अगर विकास कार्य होता या किसानों के कर्ज को माफ किया गया होता तो आए दिन कर्ज के कारण देश जिस प्रकार किसान आत्महत्या कर रहे हैं उनमें से कुछ को अवश्य ही बचाया जा सकता है। एक तरफ तो कर्ज और भुखमरी के कारण लोग असमय मर रहे हैं और दूसरी ओर समय की कीमत को न समझना यह समझदारी कतई नहीं हो सकती। कुछ वर्ष पहले पत्रकार सूर्य प्रकाश ने सांसदों के व्यवहार पर एक शोध किया। अनेकों सांसदों से बातचीत के आधार पर उन्होंने अंग्रेजी में अपनी पुस्तक व्हाट एल्स इंडियन पार्लियामेंट-एन एग्जक्टिव डायग्नोसिस' छापी। जिसमें खुद सांसदों ने यह स्वीकारा था कि वे किस तरह का गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार सदन में करते हैं। मसलन, सांसदों ने ही बताया कि किस तरह बिना कोरम पूरे किए ही महत्त्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा की खानापूर्ति हो जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि अक्सर सांसदों की रुचि संसद की कार्यवाही में नहीं होती और वे अपनी उपस्थित रजिस्टर पर दस्तखत करके सत्र के दौरान सदन से गायब रहते हैं, दस्तखत इसलिए करते हैं कि उन्हें भत्ते के रूप में मिलने वाली धनराशि 1000 मिल जाए। सांसदों ने यह भी बताया कि प्रश्न पूछने के लिए किस तरह के गैर-जिम्मेदाराना कार्य किए जाते हैं, जिनसे अपने क्षेत्र या देश का हित नहीं बल्कि निहित स्वाथरे का हित पूरा होता हैं। पिछले एक दशक में उजागर हुए अनेक किस्म के घोटालों से बहुत से सांसदों के चरित्र और कार्य शैली पर प्रश्नचिह्न लग गए हैं, जिनका यहां खुलासा करने की आवश्यकता नहीं है। इस सब के बावजूद यह जरूरी है कि जनता के चुने हुए प्रतिनिधि चाहे वे सांसद हो या विधायक सदन के प्रति जिम्मेवारी से व्यवहार करें और इसके लिए कानून और नियमों में आवश्यक सुधार किए जाएं। सांसदों को अनुशासित करने की दृष्टि से लोक सभा अध्यक्ष को यह पहल करनी ही चाहिए और हर दल के अध्यक्ष को इस प्रयास में सकारात्मक सहयोग देना चाहिए। इससे सदन की गरिमा बढ़ेगी और विधायिका के प्रति जनता में विश्वास बढ़ेगा। जब सरकारी अधिकारियों, शिक्षकों और निजी क्षेत्र में लगे लोगों से अनुशासित आचरण की अपेक्षा की जाती हैं और जरा सी लापरवाही पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाती है तो फिर सांसदों और विधायकों से ऐसे आचरण की अपेक्षा क्यों न की जाए। ऐसे तमाम उदाहरण हैं जहां सांसदों के आचरण के कारण कई लोक सभा सत्र के दौरान हो-हल्ला मचने से बर्बाद हुए। अब आप समझ सकते हैं कि मात्र एक मिनट लोक सभा कार्यवाही का खर्चा जब ढाई लाख रुपए आता है तो बीते लोक सभा सत्रों के दौरान इतने समय की कीमत से अगर विकास कार्य होता या किसानों के कर्ज को माफ किया गया होता तो आए दिन कर्ज के कारण देश जिस प्रकार किसान आत्महत्या कर रहे हैं उनमें से कुछ को अवश्य ही बचाया जा सकता है। एक तरफ तो कर्ज और भुखमरी के कारण लोग असमय मर रहे हैं और दूसरी ओर समय की कीमत को न समझना यह समझदारी कतई नहीं हो सकती। कहावत भी है कि यथा राजा तथा प्रजा। सांसदों और विधायकों का आचरण अनुकरणीय होना चाहिए। निजी जीवन में न सही पर कम से कम सदन में तो उसकी मर्यादा के अनुरूप आचरण किया ही जाना चाहिए। जो भी सांसद या विधायक सदन की कार्यवाही के दौरान उपस्थित रजिस्टर पर दस्तखत करने के बाद भी उपस्थित न रहे उनका दैनिक भत्ता तो काटा ही जाए लगातार तीन बार ऐसा करने पर संसदीय समितियों से हटा दिया जाए और इसके बावजूद उनका व्यवहार न बदले तो दिल्ली में दी गई उन्हें आवास या अन्य सुविधाएं वापस लेने की कार्यवाही शुरू करनी चाहिए। कुल मिलाकर प्रयास यही होना चाहिए कि सांसद और विधायक सदन के सत्र के दौरान जिम्मेदारी से व्यवहार करें, जिससे जनता की आस्था उनमें बढ़े।

अब झारखंड और महाराष्ट्र में महासमर चुनाव

नीरजा चौधरी

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा के साथ-साथ दो लोकसभा और 48 विधानसभा क्षेत्रों के उप-चुनाव के लिए तारीखों का एलान मंगलवार को कर दिया गया। ये चुनाव काफी अहम हैं, क्योंकि हरियाणा का करीब-करीब हारा हुआ रण जीतकर भाजपा ने विपक्ष के सभी समीकरण ध्वस्त कर दिए हैं। कांग्रेस अगर हरियाणा जीत गई होती, तो मुमकिन है कि महाराष्ट्र व झारखंड चुनावों में वह गठबंधन में अधिक दम-खम दिखा पाती, लेकिन अब माना जा रहा है कि उस पर सहयोगी दलों का दबाव बढ़ गया है। ऐसे में, आगामी चुनावों में जीत की खुराक ही अब उसे नई ऊर्जा देने का काम कर सकती है। मगर, एनडीए गठबंधन के लिहाज से ये चुनाव पूरे देश में नैरेटिव बदलने का एक माध्यम होंगे। हरियाणा की जीत ने भाजपा को लोकसभा चुनाव के झटके से उबरने में मदद की है। अब अगर महाराष्ट्र व झारखंड को भी एनडीए अपने नाम कर ले गया, तो भाजपा का यह दावा फिर से मजबूत हो जाएगा कि लोगों का विश्वास भगवा झंडे पर कायम है। बहरहाल, राष्ट्रीय राजनीति में महाराष्ट्र की अहमियत को समझना कोई मुश्किल काम नहीं है। यह देश का वह सूबा है, जहां से उत्तर प्रदेश के बाद सर्वाधिक 48 सांसद लोकसभा में पहुंचते हैं। उत्तर प्रदेश से 80 सदस्य चुने जाते हैं। महाराष्ट्र देश की वित्तीय राजधानी है, जिसके कारण भी इसे खासा महत्व दिया जाता है। लोकसभा चुनाव में विपक्षी 'इंडिया' ब्लॉक के खाते में यहां की 30 सीटें गई थीं, जिसका एक बड़ा कारण महाअघाड़ी सरकार का गिरना माना गया। तब कहा गया था कि राष्ट्रवादी कांग्रेस और शिव सेना में हुई टूट के विरोध में आम लोगों ने 'इंडिया' के पक्ष में मतदान किया है। मगर इस बार भी क्या सहानुभूति का यह कार्ड वैसे ही काम करेगा, इसके बारे में अभी साफ-साफ नहीं कहा जा सकता? ऐसा इसलिए भी, क्योंकि कई लोगों का मानना है कि जनता एक ही मुद्दे पर हर चुनाव में वोट नहीं करती। वास्तव में, महायुति व महाअघाड़ी, दोनों गठबंधन के लिए इस बार वहां बराबरी का मुकाबला है, जिसमें बाजी किस गठबंधन के हाथ लगेगी, इसका पता 23 नवंबर को चलेगा। यहां मुद्दे लगातार बदल रहे हैं और 20 नवंबर को मतदान के दिन तक कौन-कौन से मुद्दे हावी रहेंगे, इसकी भविष्यवाणी मुश्किल है। अगस्त में लग रहा था कि बदलापुर कांड का चुनाव पर काफी असर पड़ेगा। उस समय नाबालिग बच्चियों के साथ कथित छेड़छाड़ के विरोध में मानो पूरा

महाराष्ट्र सड़कों पर उतर आया था। फिर शिवाजी की मूर्ति गिरने के बाद अचानक से माहौल बदल गया और 'मराठा अस्मिता' की चर्चा होने लगी। अब पूर्व मंत्री और चर्चित नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या का मसला सुर्खियों में है। लोगों में यह बहस चलने लगी है कि क्या महाराष्ट्र फिर से 90 के दशक में लौट रहा है, जब 'गैंग' का बोलबाला हुआ करता था? जाहिर है, कानून-व्यवस्था को लेकर यहां चिंताएं बढ़ गई हैं। यहां 'लड़की बहिन योजना' भी चुनावी मुद्दा बन सकती है। इस योजना के तहत महिलाओं को मासिक 1,500 रुपये देने की बात कही गई है। पिछले दिनों एकनाथ शिंदे सरकार ने दिवाली बोनस देने का भी एलान भी किया है। माना जा रहा है कि जिस तरह से मध्य प्रदेश में 'लाडली लक्ष्मी योजना' चुनावी हवा बदलने में सफल साबित हुई, उसी तरह का असर इस योजना का भी पड़ सकता है। वैसे, महाराष्ट्र की तरह ही झारखंड में भी यह साफ-साफ नहीं कहा जा सकता कि कौन सा मुद्दा जनता को प्रभावित करेगा? हालांकि, हमंत सोरेन सरकार की भी नजर बतौर वोट बैंक महिलाओं पर है और उसने दिसंबर से 'मइया सम्मान योजना' की राशि बढ़ाकर 2,500 रुपये करने का एलान किया है। पहले इस योजना के तहत 18 से 60 साल तक की महिलाओं को 1,000 रुपये मासिक दिए जा रहे थे। इस योजना के जवाब में भाजपा ने भी गोगो दीदी योजना लाने का वायदा किया था, जिसमें महिलाओं को 2,100 रुपये प्रतिमाह सहायता राशि देने की घोषणा की गई थी। जाहिर है, महिलाओं को अपनी तरफलुभाने की कोशिश सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों कर रहा है। जोर इसी बात पर है कि आधी आबादी को नकद राशि दी जाए। माना जा रहा है कि दिल्ली, हरियाणा या फिर बिहार में सरकार को महिला हितैषी योजनाओं का लाभ मिला, तो झारखंड में भी इसका फायदा हो सकता है। बहरहाल, यहां कुछ और मुद्दे भी चुनावी फिजां में तैर रहे हैं, विशेषकर भ्रष्टाचार का मुद्दा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जेल-यात्रा को विरोधी दल चुनावों में खूब उछाल सकते हैं। चंपाई सोरेन की बगावत को भी भुनाने का प्रयास किया जा सकता है। यहां आदिवासी बनाम गैर-आदिवासी भी एक बड़ा मसला है। माना जा रहा है कि इसका उसी तरह असर हो सकता है, जिस तरह हरियाणा में जाट बनाम गैर-जाट का हुआ था। हरियाणा में जाट वोट-बैंक पर जोर देने के कारण ही संभवत: दलित छिटककर भाजपा के साथ चले गए। वैसे, झारखंड में भाजपा के सामने सीटों का बंटवारा एक बड़ी चुनौती साबित हो सकती है, जिसे झारखंड मुक्ति मोर्चा चुनावों में हवा देगी। झारखंड में सत्ता-विरोधी भावना भी दिख रही है। संभवत: इससे पार पाने की कोशिश झारखंड मुक्ति मोर्चा ने शुरू भी कर दी है और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन मैदान में सक्रिय हो गई हैं।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, मंगलवार 12 नवम्बर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

अमरकंटक के जैन मंदिर में नव बेदी प्रतिष्ठा समारोह मुनिश्री पूज्यसागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य में होगा 17 व 18 नवंबर को

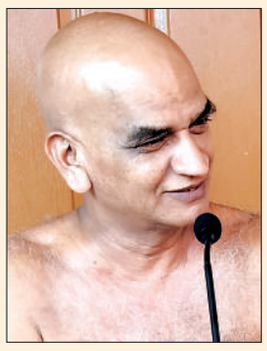
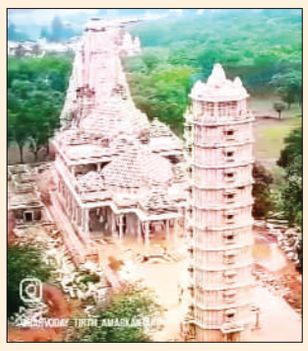

गौरेला (विश्व परिवार)। अमरकंटक के दिगंबर जैन तीर्थ में नव बेदी प्रतिष्ठा का दो दिवसीय समारोह नवंबर माह में दिनांक 17 व 18 को आयोजित किया जा रहा है। संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य पूज्य मुनि श्री पूज्य सागर महाराज व पूज्य मुनि श्री अतुल सागर महाराज के सानिध्य में बेदी प्रतिष्ठा समारोह संपन्न होगा। भारत के सुप्रसिद्ध रमणीक मनोरम स्थल अमरकंटक के सर्वोदय जैन तीर्थ में आगामी 17व 18 नवंबर को नवनिर्मित बेटी का भव्य प्रतिष्ठा समारोह पूज्य मुनि द्वय श्री पूज्य सागर जी महाराज व पूज्य मुनि श्री अतुल सागर जी महाराज के सानिध्य में आयोजित किया जा रहा है। प्रतिष्ठा समारोह प्रतिष्ठाचार्य श्री मनोज भैया के मार्गदर्शन में आयोजित है। इस अवसर पर समीपवर्ती जैन समाज और मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ के अन्य नगरों के जैन धर्मावलंबियों के उपस्थित होने की संभावना है। समारोह के लिये आवश्यक प्रबंध सर्वोदय जैन तीर्थ समिति अमरकंटक द्वारा किये जा रहे हैं। स्मरणीय है कि गत वर्ष संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य में भव्यातिभव्य पंच कल्याणक संपन्न हुआ था। अष्टधातु से ढली संसार की सर्वाधिक वजनी धातु की पद्मासन श्री आदिनाथ भगवान की जिन प्रतिमा के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु का आना पूरे वर्ष भर होता है। -**वेदचन्द जैन**

राजिम में हरिहर कथा की धारा अविरल बह रही, बढ़ती जा रही श्रद्धालुओं की भीड़

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की प्रयाग नगरी राजिम में हरिहर कथा की धारा अविरल बह रही है जिसमें भक्तजन, आस्थावान व श्रद्धालुजनो की भीड़ दिन-ब-दिन श्री राजीव लोचन मंदिर परिसर में कथा का श्रवण करने लगातार बढ़ रही है। श्री राजीव लोचन मंदिर ट्रस्ट कमेटी के तत्वावधान में आयोजित हरिहर कथा का वाचन कवर्धा निवासी पंडित श्री गोवर्धनाचार्य जी के द्वारा कही जा रही है। दर्शनार्थी व श्रोताओ की सहभागिता देखते ही बन रही है।आज श्री कृष्ण जन्मोत्सव व 56 भोग का विहंगम कथा आम जनों को सुनने को मिला जिसमें जन्मोत्सव, कंश कथा, यमुना पार यशोदा के जाना यमुना देवी की कथा का रसपान आचार्य द्वारा बतलाया गया वहीं गीत संगीत के माध्यम से श्रोता मंत्र मुग्ध हो गए सभी झूमने व नाचने लगे कार्यक्रम की भव्यता श्री राजीव लोचन मंदिर में अपनी छटा बिखेर रही है इसमें मुख्य रूप से आम श्रोताओ के साथ ट्रस्टी, कमेटी, के सचिव अनिल तिवारी अन्य सम्मिलित रहे। आज कथा सुनने संस्कृत विद्यालय के छात्र भी काफी संख्या में उपस्थित थे।

पाप को जिस स्तर पर रोक सकते हो उसे वहीं रोको : मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। पाप को जिस स्तर पर रोक सकते हो उसे बंही रोको न तो खुद पाप को करो और न ही किसी के द्वारा किये जा रहे पाप की अनुमोदना या समर्थन करो। उपरोक्त उद्गार मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के पांचबे दिवस विजयनगर स्थित विजनिस पार्क चौराहे पर बने विशाल पांडाल में व्यक्त किये।

मुनि श्री ने अष्ठानिका महापर्व पर चल रहे श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के पांचवे दिवस सिद्ध भक्ती करते हुये 128 अर्घ प्रत्येक अर्घ का नौ बार मंत्रों का उच्चारण करते हुये प्रभु के चरणों में समर्पित कराते हुये उन मंत्रों का महत्व बताते हुये कहा कि हमारे अंदर प्रतिक्षण क्रोध, मान, माया, और लोभ की प्रवत्तियां चलती रहती है उन प्रवत्तियों को मन बचन और शरीर गत पापों से मुक्त करने के लिये ही मंत्रोच्चारण के माध्यम से मुक्त किया जाता है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले क्रोध आता है क्रोध के साथ ही मायाचारी अर्थात मन में छिपाव के भाव आते है।

जैसे किसी को पीटने का भाव मन में आया तो हिंसा के भाव उत्पन्न हुऐ, यदि उसे क्रियान्वयन नहीं किया तो आप उससे होंने वाली बचन और शरीर गत हिंसा से बच जाऐंगे। मुनि श्री ने समरंभ, समारंभ

आरंभ की व्याख्या करते हुये कहा कि क्रोध मान माया और लोभ की प्रवृत्ति को समाप्त करने के लिये ही मंत्रोच्चारण के साथ आज 128 अर्घ आप लोगों ने समर्पित किये है। कोई भी कार्य की शुरुआत बाहर से अच्छी दिखरहा है यह जरुरी नहीं कि वह भीतर से भी अच्छा हो जैसे एक बच्चा अपने जीवन की शुरुआत भगवान की जय से करता है बाहर से तो यह अच्छा दिख रहा है लेकिन जरूरी नहीं कि उसके भीतर से भी जय निकले। उन्होंने कहा कि कोई भी पाप या अपराध की पूरी तैयारी पहले मन में होती है फिर बचन तथा शरीर गत हो जाती है उन्होंने कहा कि बाहर से तो हम सभी को क्षमा कर देते है लेकिन

फिर भी कषाय हमारे अंदर कुंडली मारकर बैठी रहती है। उन कषायों को मंद करने के लिये ही यह पूजन या विधान किये जाते है, हमारे अंदर 108 कर्म प्रकृतिया होती है जो कि हमारे अच्छे बुरे कर्म का फल प्रदान करते है। मुनि श्री ने कहा कि जैन परंपरा में पूजन पीले या सफेद बस्त्रों में करने की ही रही है आजकल हम देख रहे है कि नये नये डिजाइन और रंग विरंगे बस्त्रों में पूजा विधान होंने लगी है यह हमारी पूर्व परंपरा का उलंघन है। इस गल्ती को रोकना हमारी जिम्मेदारी है मीडिया प्रभारी राहुल जैन एवं प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया कि विधान के पांचवे दिवस विधानाचार्य अशोक भैया और अभय भैया तथा अमित बास्तु ने संपूर्ण विधान की क्रिआओं को संपन्न कराया वंही पंच बालयति मंदिर के ब्र. सुरेश मलैया ने प्रारंभिक देव शास्त्र गुरु की पूजन भक्ती भाव से संपन्न करायी। इस अवसर पर इंदौर उदासीन आश्रम के सभी भैयाजी तथा महिला आश्रम की बहनें पूरे समय मौजूद रही। धर्म प्रभावना समिति के अध्यक्ष अशोक रानी डोसी कार्याध्यक्ष धर्मेंद्र जैन (सिन्केम) महोत्सव अध्यक्ष नवीन आनंद गोधा, महामंत्री हर्ष जैन, जिनेश झांझरी, पवन सिंघई प्रवक्ता अविनाश जैन, मीडिया प्रभारी राहुल जैन सहित धर्म प्रभावना समिति के पदाधिकारिओं तथा भोजन व्यवस्था के पुण्यार्जन कर्ता गिरीश गौतम गिन्नी परिवार ने भगवान की भक्ती का पूर्ण आनंद लिया। -**अविनाश जैन**

आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज को कर्नाटक सरकार से कर्नाटक प्रवास तक राज्यकीय अतिथि घोषित किया गया

नांदणी (विश्व परिवार)। जयदु जिणिंदो महावीरों। चर्या शिरोमणी, आध्यात्मयोगी आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के दर्शन करने हेतू 18 अकटूबर 2024 को नांदणी में श्रवणबेलगोला के स्वस्तिश्री चारुकीर्ती भट्टारक स्वामीजी पधारे थे। तब उन्होने चर्या शिरोमणी आध्यात्मयोगी आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज संसघ को श्रवणबेलगोला पधारणे हेतू स्वस्तिश्री चारुकीर्ती भट्टारक स्वामीजी, श्रवणबेलगोला ने निवेदन किया था।

श्रवणबेलगोला में विश्व प्रसिद्ध भगवान बाहुबली की विशाल एवं भव्य मूर्ति हैं। चर्या शिरोमणी आचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी महाराज संसघ मंगल विहार नांदणी से गोम्मटेश बाहुबली श्रवणबेलगोला (कर्नाटक) के लिए चल रहा है। संभवता 25/11/2024 की शाम को या 26/11/2024 की सुबह आचार्य श्री विशुद्धसागर जी ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश दक्षिण भारत के सुप्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र गोम्मटेश बाहुबली श्रवणबेलगोला जी कर्नाटक मे होगा। परम पूज्य चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज को कर्नाटक सरकार से कर्नाटक प्रवास तक राज्यकीय अतिथि घोषित किया गया। आगामी भव्य पंचकल्याणक श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जैनरगुत्ती, हासन (कर्नाटक) 28 नबम्बर 2024 से 4 दिसम्बर 2024 तक हैं।

उत्तर भारत की उज्जयनी नगरी में जब बारह वर्षीय का अकाल पड़ा, उसी समय अंतिम श्रुतकेवली भद्रबाहु स्वामी ने अपने ज्ञान से जान लिया कि आने वाले समय में यहां पर अकाल पडने वाला है। तभी अंतिम श्रुतकेवली भद्रबाहु स्वामी जी चंद्रगुप्त सहित बारह हजार मुनियों के साथ दक्षिण भारत में चंद्रगिरि पर्वत पर आत्म साधना करने आए थे। उस समय दक्षिण भारत में जैन धर्म पहले से ही प्रचलित था। जिस प्रकार अंतिम श्रुतकेवली भद्रबाहु स्वामी उत्तर से दक्षिण आकर जैनधर्म का प्रचार किया था, उसी प्रकार पंचकल्याणक पूजा महोत्सव हेतू प. पू जिनसेन भट्टारक पट्टाचार्य महास्वामीजी, नांदणी के नेतृत्व में वर्तमान के भद्रबाहू स्वामी जी को आचार्य विशुद्धसागर महाराज जी और उनके 25 शिष्यों के संघ को उत्तर से दक्षिण धर्म प्रभावना हेतू लाये हैं। चन्द्रगिरि पर्वत पर भद्रबाहु गुफा में आज भी हमें भद्रबाहु स्वामी के चरणों की वन्दना करने का अवसर प्राप्त होता है। चंद्रगुप्त मुनि के नाम से ही पर्वत का नाम बाद में चन्द्रगिरि पर्वत हुआ और साथ में ही चंद्रगिरि पर्वत पर एक मन्दिर(बसदी) का नाम भी चंद्रगुप्त बसदी है। इन दोनों गुरु-शिष्य का वर्णन प्राचीन शास्त्र में विस्तार से दिया गया है और श्रवणबेलगोला के शिलालेखों में भी मिलता है। -**अभिषेक अशोक पाटील**

जैन धर्म के जयकारों की गूंज के साथ आर्यिका वर्धस्व नंदनी माताजी ससंघ का हुआ मंगल प्रवेश

कामां (विश्व परिवार)। दिगम्बर जैन आचार्य वसुनंदी महाराज की सुशिष्या धर्म वत्सल प्रभाविका जैन साध्वी आर्यिका वर्धस्व नंदनी माताजी का नो साध्वियों सहित कामां कस्बे में मंगल पदार्पण हुआ तो जैन समाज कामां द्वारा अध्यक्ष अनिल जैन के नेतृत्व में पाद प्रक्षालन व आरती कर भावभीनी आगवानी महावीर पार्क पर की गई। जैन समाज से प्राप्त सूचना के अनुसार आर्यिका संघ का अल सुबह जैन धर्म के अंतिम अनुबद्ध केवली भगवान जम्बू स्वामी तपोस्थली बोलखेड़ा से पद बिहार हुआ तो वहीं युवाओं ने पद बिहार में साथ चलकर जैन धर्म के नारों से वातावरण गुंजायमान कर दिया जैसे ही महावीर पार्क पर आर्यिका संघ का पदार्पण हुआ तो जैन समाज ने अगवानी कर बैंड बाजो के साथ विजयमती त्यागी आश्रम कामां तक प्रवेश कराया।

इस अवसर पर पूज्य आर्यिका श्री वर्धस्व नंदनी माताजी ने श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि जीव दो प्रकार के होते हैं संसारी और मुक्त और संसार में दो तरह जीव रहते है भव्य और अभव्य, भव्य जीव ही देव शास्त्र और गुरु पर सच्चा श्रद्धान रख सकता हैं। भव्य जीव ही चतुरविध संघ को आहार दे सकता है, सिद्ध क्षेत्रों कि वंदना कर सकता, माताजी ने दोनों में अंतर स्पष्ट करते हुए कहा कि चाहे कितने ही भव गुजर जाएं अभव्य कभी भव्य नहीं बन सकता है कभी संसार सागर को पार नहीं कर सकता है। माताजी ने कहा कि आप लोग बहुत ही पुण्यशाली हैं कि आपको जिनवाणी श्रवण करने का अवसर मिल रहा हैं, आहार देने का अवसर मिल रहा है सभी को समय का सदुपयोग करना चाहिए।

जैन समाज कामां को धर्म वृद्धि का आशीर्वाद देते हुए कहा कि कामां समाज कर्तव्यनिष्ठ व धार्मिक भावनाओं से ओत प्रोत तो है ही, साथ ही यहां के युवाओं में अतिउत्साह व समर्पण दृष्टिगोचर होता है जो सराहनीय है। इस अवसर पर तिजारा, अजमेर, बाड़मेर से पधारे अतिथियों का समाज द्वारा अभिनंदन भी किया गया। संजय जैन बडजात्या कामां से प्राप्त जानकारी के साथ **अभिषेक जैन लुहाड़िया**।

राजिम में धर्ममय वातावरण में सिद्धचक्र महामंडल विधान प्रारंभ

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। नगर के हृदय स्थल सदर रोड में स्थित दिगंबर जैन मंदिर के जैन भवन में स्वाध्याय श्री माताजी एवं चर्या श्री माताजी के पावन सानिध्य में सिद्ध चक्र महामंडल विधान का आयोजन 8 नवंबर से शुरू हो गया है। जो कि15 नवंबर को इसका समापन होगा। सिद्ध चक्र महामंडल विधानके द्वारा मैना सुंदरी ने अपने कोड़ी पति का कोड ठीक कर निरोगी बना दिया था इस विधान में भाग लेने से रोग शोक भय दूर हो जाते हैं एवं व्यक्ति अपना मोक्ष मार्ग प्रशसत करता है दीपावली के बाद अस्टांनिका महापर्व में 8 दिनों का यह विधान चलता है। नगर में दिगंबर जैन समाज मे इस विधान को लेकर समाज अत्यंत हर्ष एवं उल्लास का माहौल है। गोटेगांव से पधारे पंडित नितिन जी शास्त्री द्वारा समस्त कार्यक्रम को उत्साहपूर्वक संपन्न कराए जा रहे हैं।उनके साथ देने जबलपुर से अंशुल जैन एंड पार्टी अपनी संगीत लहरियों के साथ विधान में चार चांद लगा रहे हैं विधान के प्रथम दिन नवदेवता पूजन, नंदीश्वर दीप पूजन के बाद सिद्ध चक्र महामंडल विधान के 8 एवम 16 अर्घ चढ़ा भक्ति की गई विधान में सौधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य शुभम रिया चौधरी ईशान इंद्र बनने का सौभाग्य निशांत नीतू चौधरी सनत कुमार इंद्र अनीता किशोर सिंगई गई महेंद्र इंद्र संमता रविंद्र सिंगई परिवार को प्राप्त हुआ। विधान प्रारंभ में राजकुमार रवि जैन के द्वारा ध्वजारोहन किया पूरे विधान में कुबेर इंद्र बनाकर रतन की वर्षा करने का अवसर ममता सुरित जैन परिवार को एवं यज्ञ नायक बनने का अवसर प्रभात लवली जैन को मिला। विधान में प्रतिदिन मैना सुंदरी श्रीपाल बनाए जाते हैं जिसका सुअवसर सीमा प्रकाश जैन सुनील मनीशा जैन रवि प्रियंका जैन आशीष सुप्रिया चौधरी आकाश नीलम जैन परिवार को प्राप्त हुआ मंडल पर मंगल कलश स्थापना अंजलि पहाड़ियां कामिनी चौधरी ज्योति जैन प्रेमा गंगवाल उषा जैन के द्वारा किया गया। -**किशोर सिंघई**

सिद्धचक्र महामंडल विधान के चौथे दिन 128 अर्घ किये समर्पित

दु:ख दर्द निवारण एवं मनोकामनाएं पूर्ति के लिए विशुद्धि पूर्वक करें सिद्धों की आराधना : आर्यिका सृष्टिभूषण माताजी

तालबेहट/ललितपुर (विश्व परिवार)। बुंदेलखंड के प्रसिद्ध सिद्ध क्षेत्र पावागिरि में आचार्य सुमति सागर महाराज की परम प्रभावक शिष्या आर्यिका गणिनी सृष्टिभूषण माता जी, विश्वयश मति माता जी एवं क्षुल्लिका आप्तमति माता के मंगलमय सानिध्य एवं प्रतिष्ठाचार्य बा.ब्र. अभिषेक भैया पवई, बा.ब्र. पारस भैया प्रशम एवं बा.ब्र. प्रिंस जैन टीकमगढ़ के निर्देशन में सिद्धचक्र महामंडल विधान में निरंतर धर्म प्रभावना हो रही है।चौथे दिन मंजीत एन्ड पार्टी भोपाल के मधुर संगीत में भक्ति भाव के साथ सिद्धों की आराधना कर 128 अर्घ समर्पित किये। वहीं रविवार को अतिशय युक्त चमत्कारी बाबा मूलनायक पारसनाथ स्वामी का मस्तिकभिषेक एवं चौंसठ रिद्धि विधान का आयोजन किया गया। इस मौके पर धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए आर्यिका गणिनी सृष्टिभूषण माता ने धर्म का मर्म समझाते हुए दु:ख दर्द निवारण एवं मनोकामना पूर्ति के लिए विशुद्धि पूर्वक सिद्धों की आराधना करने का आह्वान किया। एवं श्रीपाल-मैना सुंदरी चरित्र का वर्णन किया। रात्रि में मंगल आरती एवं शास्त्र प्रवचन का आयोजन किया गया। मंदिर समिति के उपाध्यक्ष विशाल जैन पवा ने बताया की सिद्ध क्षेत्र पावागिरि में 8 से 15 नवंबर तक सिद्ध चक्र महामंडल विधान के उपरांत 17 से 20 नवंबर तक वार्षिक मेला के माध्यम से स्वर्णभद्रादि मुनिराजों का निर्वाण महोत्सव मनाया जायेगा, जिसके लिये तैयारियां जोरों पर चल रही है।

मुनि श्री वीरसागर जी महाराज के सान्निध्य में ऐतिहासिक आयोजन, सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर में पहली बार मनाया गया राष्ट्र प्रहरी सम्मान दिवस

नेमावर (विश्व परिवार)। सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर में प्रथम बार राष्ट्र प्रहरी सम्मान दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस अनोखे कार्यक्रम का पावन सान्निध्य मुनि श्री वीर सागर जी महाराज ने प्रदान किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सैनिक परिवारों और शहीद परिवारों का सम्मान करना था, जो देश की रक्षा में अपने अमूल्य योगदान के लिए जाने जाते हैं।

21 शहीद परिवारों का सम्मान- उन परिवारों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिन्होंने देश के लिए अपने बेटे या पति को खोया है। 150 से अधिक सैनिक परिवारों की सहभागिता- देशभक्ति और त्याग का जश्न मनाने के लिए विभिन्न जिलों से आए परिवारों ने हिस्सा लिया। 19 जिलों का प्रतिनिधित्व- मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से सैनिक परिवारों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के पहले दिन नर्मदा तट पर दीपदान का आयोजन किया गया, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। दूसरे दिन, सुबह संत निवास में ध्यान योग से शुरुआत हुई। भोजनशाला में आयोजित भोजन के बाद सभी सैनिक परिवारों का सम्मान किया गया। इस दौरान हरदा के शहीद इलाप सिंह के परिवार को क्षेत्र कमेटी द्वारा 21,000 रुपए की सहायता राशि दी गई। इसी तरह, E& Servicemen Welfare Society को भी 21,000 रुपए की राशि प्रदान की गई।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र विधायक श्री आशीष शर्मा ने सैनिकों को सम्मानित किया। उन्होंने शहीद परिवारों और सैनिकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि देश उनकी सेवाओं का ऋणी है। उनकी उपस्थिति ने पूरे आयोजन को और अधिक गौरवमय बना दिया।

मुनि श्री वीर सागर जी महाराज का प्रेरणादायक आशीर्वचन- मुनि श्री ने अपने आशीर्वचन में सैनिक और साधु के जीवन की समानता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार सैनिक अपने कर्तव्यों के लिए निजी सुखों का त्याग करता है, साधु भी अपने जीवन को समाज कल्याण के लिए समर्पित करता है। सैनिक अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए तत्पर रहता है, जबकि साधु समाज को आध्यात्मिक दिशा प्रदान करता है। उन्होंने भगवान महावीर के उपदेशों का उल्लेख करते हुए कहा कि जैन धर्म में अहिंसा का महत्व है, लेकिन समाज की रक्षा करना भी धर्म है। मुनि श्री ने सैनिकों और उनके परिवारों के प्रति समाज की जिम्मेदारियों को रेखांकित करते हुए कहा कि हमें उनके सुख-दुख में सहभागी बनना चाहिए। त्योहारों और विशेष अवसरों पर उनके घर जाकर उन्हें सम्मान देना समाज का कर्तव्य है। -**आलोक जैन**

अशोक विहार में अभूतपूर्व प्रभावना के साथ संपन्न हुआ 19वां चातुर्मास

पिच्छिका परिवर्तन, कलश वितरण व कार्यकर्ता सम्मान किया गया

दिल्ली (विश्व परिवार)। प्रशममूर्ति आचार्य श्री 108 शान्तिसागर जी महाराज (छाणी) परंपरा के प्रमुख संत परम पूज्य आचार्य श्री 108 अतिवीर जी मुनिराज का 19वां मंगल चातुर्मास 2024 राजधानी दिल्ली की धर्मनगरी अशोक विहार फेज-1 स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर में व्यापक धर्मप्रभावना के साथ सानंद संपन्न हुआ। चातुर्मास कलश निष्ठापन एवं पिच्छी परिवर्तन समारोह का भव्य आयोजन दिनांक 10 नवम्बर 2024 को महाराजा अग्रसेन भवन में किया गया जिसमें डॉ. श्रेयांस कुमार जैन (बड़ौत) तथा पं. श्री नरेश जैन कांसल (हस्तिनापुर) के निर्देशन में समस्त मांगलिक क्रियाएं विधि-विधान पूर्वक संपन्न हुईं। कार्यक्रम का शुभारम्भ ध्वजारोहण से हुआ जिसके पश्चात् मंगलाचरण, चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन जिनवाणी विराजमान, शास्त्र भेंट तथा पाद-प्रक्षालन आदि मांगलिक क्रियाएं संपन्न हुई।

कार्यक्रम में श्री राजेश गुप्ता (विधायक), श्री विकास गोयल (स्थानीय नेता), श्री मनोज जैन (निगम पार्षद), श्री चक्रेश जैन (जैन समाज दिल्ली अध्यक्ष), श्री स्वदेश भूषण जैन (पंजाब केसरी), श्री पुनीत जैन (लाल मन्दिर मैनेजर), श्री नीरज जैन (दिगम्बर), श्रीमति राजरानी जैन (महिला मण्डल) आदि विशिष्ट अतिथियों ने पधारकर आचार्य श्री का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। चातुर्मास को सफल बनाने में तन-मन-धन से सहयोग करने वाले महानुभावों को चातुर्मास परिवार सम्मान प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मध्यस्थ समाज के बच्चों व महिलाओं द्वारा मनमोहक व प्रेरक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए जिसे उपस्थित जनसमुदाय ने करतल ध्वनि से खूब सराहा। इंडिया टीवी के प्रसिद्ध कार्यक्रम आप की अदालत की तर्ज पर एंकर रजत शर्मा द्वारा आचार्य श्री के समक्ष विभिन्न जिज्ञासा रखी गई जिनके उत्तर में आचार्य श्री ने स्पष्ट समाधान प्रदान किये।

इस अवसर पर पूज्य आचार्य श्री का पिच्छी परिवर्तन समारोह भी आयोजित किया गया। आचार्य श्री के कर-कमलों में नवीन मयूर पिच्छिका भेंट करने का परम सौभाग्य श्री निपुण जैन सपरिवार (अशोक विहार फेज-2) को प्राप्त हुआ। आचार्य श्री ने अपनी पुरानी पिच्छी परम गुरुभक्त श्री प्रभुदयाल जैन सपरिवार (अशोक विहार फेज-1) को प्रदान कर धन्य किया। गुरुभक्तों द्वारा आचार्य श्री की अष्ट-द्रव्य के सुसज्जित थाल द्वारा विशेष पूजन किया गया। चातुर्मास मुख्य कलश प्राप्तकर्ता परिवार श्री प्रमोद जैन महावीरा, श्री सुभाष जैन तथा श्री प्रभुदयाल जैन तथा अन्य मंगलकारी कलश प्राप्तकर्ता परिवारों को आचार्य श्री द्वारा कलश प्रदान किये गए। समारोह में दिल्ली-एनसीआर सहित रेवाड़ी, तिजारा, गुरुग्राम, गाजियाबाद, फरीदाबाद, सोनीपत, रोहतक, मेरठ, बड़ौत आदि विभिन्न नगरों से हजारों गुरुभक्तों ने सम्मिलित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर मंगलवार 12 नवंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

वाड्रफनगर वन क्षेत्र में बाघ की दस्तक से ग्रामीण दहशत में

बलरामपुर(विश्व परिवार)। जिले के वाड्रफनगर वन परिक्षेत्र में इन दोनों बाघ की धमक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है. बाघ अब तक किसान के एक बैल को मारने और एक बैल को बुरी तरह से घायल करने के साथ एक ग्रामीण पर हमला भी कर चुका है. आलम यह है कि बाघ की दहशत से लोगों ने जंगल जाना बंद कर दिया है, यहां तक मवेशियों को भी जंगल में नहीं छोड़ रहे हैं. बता दें कि क्षेत्र में बाघ के पैरों के निशान देखकर माहौल में संशय बना हुआ था, लेकिन वन विभाग ने फुट प्रिंट ट्रेस कर इस बात की पुष्टि कर दी है कि जंगल में मौजूद बाघ इधर-उधर विचरण कर रहा है. एक बैल के शिकार और एक बैल के बुरी तरह से घायल होने के बाद रही-सही कसर एक ग्रामीण ने कर दी, जिसे जंगल में बाघ ने हमला करने का प्रयास था, जिससे वह किसी तरह से बचने में कामयाब रहा. वन विभाग अब क्षेत्र में मुनादी कराते हुए लोगों को जंगल में न जाने की सलाह दे रहा है.

दो दंतैल की दस्तक से क्षेत्रवासियों में दहशत

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर(विश्व परिवार)। कोरिया कॉलरी स्थित वार्ड क्रमांक 8 के पोखरी दफाई छठ घाट में दो दंतैल हाथी जंगल की ओर से विचरण करते हुए घुस आए जो कि काफी मशक्कत के बाद उस क्षेत्र से निकल कर पास में ही लगे नर्सरी से अलग अलग दिशा में अंधेरे का फायदा उठा गायब हो गए। चिरमिरी नगर पालिका निगम के कोरिया कालरी स्थित पोखरी दफाई में शाम ढलने के बाद जब अंधेरा बढ़ रहा था तभी दो दंतैल जंगल के रास्ते मोहल्ले में घुसे जब स्थानीय लोगों ने उन्हें देखा तो ज़ोर ज़ोर से उनके आने की सुचना सभी को दिया गया जिससे दंतैल हाथीयों ने छठ घाट की ओर रुख करते हुए गहरे तालाब में चले गए। जिसे देखने छठ घाट पर लोगों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया। मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस व वन अमले को दी गई जिस पर बिना किसी देरी किए पुलिस चौकी कोरिया की व वन विभाग कोरिया कालरी के छठ घाट पहुंचे जहां पर लोगों को दंतैल हाथीयों के करीब न जाने की समझाइश देते हुए सुरक्षा की दृष्टि से दुरी बनाए रखने की बात कहते हुए उक्त तालाब से दंतैलो को बाहर निकालने की शुरुआत की गई।

एक बस्तर फाइटर ने खुद को मारी गोली

कोंडागांव(विश्व परिवार)। जिले में आज सुबह एक बस्तर फाइटर ने खुद को गोली मारकर जान ले ली. जवान हरिलाल नाग छुट्टी पर फरसगांव ब्लाक अंतर्गत अपने गांव ग्राम बारदा गया हुआ था. इसी दौरान उसने अपने घर में ही अपनी पिस्टल से खुद को गोली मार दी.इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है. जवान ने अपनी जान क्यों ली, इसका कारण फिलहाल पता नहीं चल सका है। वहीं सूचना मिलने पर घटना की सूचना मिलते ही फरसगांव एसडीओपी अनिल विश्वकर्मा और केशकाल एसडीओपी भूपत सिंह समेत स्थानीय पुलिस भी घटनास्थल पहुंची हुई है.

संस्कार स्कूल में मनाया गया बाल दिवस समारोह

रायगढ़,(विश्व परिवार)। रायगढ़ की बेहतरीन स्कूलों में शामिल संस्कार पब्लिक स्कूल द्वारा बाल दिवस के अवसर पर बाल मेला एवं आर्ट एण्ड क्राफ्ट एग्जीबिशन का आयोजन किया गया, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं बाल मेले में लगे फूड स्टालों में भारी उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महापौर जानकी काटजू एवं नेता प्रतिपक्ष पूनम सोलंकी उपस्थित रहीं। अतिथियों ने विधिवत् रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महापौर जानकी काटजू एवं नेता प्रतिपक्ष पूनम सोलंकी ने अपने उद्बोधन में संस्कार स्कूल की सराहना करते हुए आगे भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करते रहने की बात कहीं। स्कूल में आयोजित आर्ट एण्ड क्राफ्ट एग्जीबिशन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि संस्कार पब्लिक स्कूल हमेशा से बेहतर कार्य करते आ रहा है, विद्यार्थियों के उत्तरोत्तर प्रगति के लिए पूरे जिले में संस्कार पब्लिक स्कूल की अलग पहचान है। आगे भी इसी तरह बेहतरीन कार्य करते रहने हेतु अतिथियों ने स्कूल प्रबंधन को शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम में संस्कार स्कूल के मार्गदर्शक रामचंद्र शर्मा, प्राचार्या श्रीमती रश्मि शर्मा एवं एक्टिंग डायरेक्टर सीपी देवांगन ने भी स्कूल की गतिविधियों के बारे में बताया। कार्यक्रम का मंच संचालन एवं आभार प्रदर्शन शिक्षिका दीपिका बेहरा एवं अर्चना कुमारी ने किया। फूड स्टाल एवं एग्जीबिशन के शुभारंभ के बाद पालकों एवं बच्चों में भारी उत्साह देखने को मिला, विद्यार्थियों द्वारा बनाये गये तरह-तरह के आर्ट एवं ज्ञानवर्धक पेंटिंग ने सभी को सराहना करने पर मजबूर कर दिया, बाल मेला एवं एग्जीबिशन में आये पालकों ने कार्यक्रम की खूब प्रशंसा की। मुख्य अतिथियों ने एग्जीबिशन में प्रदर्शित आर्ट एण्ड क्राफ्ट की प्रशंसा करते हुए विद्यार्थियों की तारीफ की।

कुपोषण को मिल रही है मात, बच्चों की बन रही है सेहत

नियद नेल्लानार ग्राम गमावाड़ा एवं धुरली के आंगनबाड़ी केन्द्रों में दिया जा रहा मल्टीग्रेन दलिया

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। मिलेट अनाजों के पोषक तत्वों एवं स्वास्थ्यवर्धक गुणों से पूरे देश-दुनिया परिचित हो चुकी है। कभी मोटे अनाजों के नाम पर दरकिनार होते इस अनाज को अब श्री अन्न कहा जाने लगा है। सभी के लिए सुपाच्य एवं मरीजों के विभिन्न व्याधियों में फायदेमंद इस अनाज की मांग अब एकाएक बढ़ चुकी है। खास तौर पर महिलाओं एवं बच्चों के सेहत के लिए इस एक कारगर के उपाय के रूप में देखा जाने लगा है। जिले में पोषण माह में सुपोषण योजना के तहत बच्चों को दिए जा रहे हैं ''मिलेट मल्टीग्रेन दलिया'' इस क्रम में दंतेवाड़ा जिले में जहां कुपोषण और एनीमिया एक बड़ी समस्या रही है, इस देखते हुए जिला प्रशासन की विशेष पहल पर सुपोषण योजना के तहत एक अनूठी पहल के तहत आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों को मिलेट मल्टीग्रेन (मिलेट्स, जैसे रागी, कोदो, कोसरा, बाजरा, ज्वार आदि) से बना दलिया दिया जा रहा है। यह मिलेट मल्टीग्रेन दलिया नियद नेल्लानार के ग्राम गमावाडा एवं धुरली के आंगनबाड़ी केंद्र में 3 से 6 वर्ष के बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र बंद होने के समय अर्थात 3 बजे के आसपास खिचड़ी या हलवा के रूप में बनाकर दिया जाता है। जिससे आंगनबाड़ी केन्द्र से प्राप्त गर्म भोजन व घर में मिलने वाले शाम के भोजन के बीच में ''न्युट्रिशनल गैप'' को पूरा करती है। इससे आंगनबाड़ी केन्द्र में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के साथ-साथ ''अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेषन'' (ईसीसीई) गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए भी कारगर साबित हुआ है। यह मिलेट मल्टीग्रेन दलिया स्थानीय स्व सहायता समूहों के माध्यम से प्रदाय किया जा रहा है। मिलेट्स (मोटे अनाज) एक संपूर्ण पोषक आहार होते हैं, जिनमें फाइबर, प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, और कई विटामिन्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। ये बच्चों के शरीर को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करते हैं, जिससे उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है और वे बेहतर ढंग से शारीरिक और मानसिक रूप से विकसित होते हैं। साथ ही पोषक तत्वों से भरपूर मिलेट्स में आवश्यक विटामिन्स और मिनरल्स होते हैं जो बच्चों की हड्डियों को मजबूत बनाते हैं. मांसपेशियों के विकास में मदद करते हैं और ऊर्जा का अच्छा स्रोत होते हैं। पाचन में सुधार रू मिलेट्स में अधिक मात्रा में फाइबर होने के कारण यह बच्चों के पाचन तंत्र को सुधारता है और उन्हें स्वस्थ बनाए रखता है। चूंकि कुपोषण की समस्या में कमी दंतेवाड़ा जैसे क्षेत्रों में, एक गंभीर समस्या है, मिलेट दलिया ने बच्चों के पोषण स्तर को बेहतर किया है। यह पौष्टिक दलिया बच्चों के लिए संपूर्ण आहार साबित हो रहा है, जिससे उनकी वृद्धि और विकास में सहायता मिल रही है।

झारखंड के चार विधानसभा क्षेत्रों की सियासी जलवायु में बदलाव ला रहे हैं वन मंत्री केदार कश्यप

विधानसभा चुनाव में ले रहे हैं सतत जनसभाएं

जगदलपुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप झारखंड विधानसभा के चुनाव में मोदी की गारंटी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार द्वारा आदिवासियों, किसानों व महिलाओं के हित में शुरू की गई योजनाओं को सामने रखकर वहां के मतदाताओं का दिल जीत रहे हैं। मंत्री कश्यप वहां लगातार जन सभाएं ले रहे हैं और मतदाताओं के बीच पहुंच रहे हैं। छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप झारखंड की सियासी जलवायु को परिवर्तित करने में अच्छी तरह सफल हो रहे हैं। श्री कश्यप को झारखंड के चुनाव में सिमडेगा, तोरपा, खूंटी समेत चार विधानसभा क्षेत्रों का कलस्टर प्रभारी बनाया गया है। ये चारों विधानसभा क्षेत्र आदिवासी बाहुल्य हैं और बस्तर के युवा आदिवासी नेता केदार कश्यप का जादू वहां के आदिवासी मतदाताओं के सिर चढ़ कर बोल रहा है। श्री कश्यप गांवों, शहरों और कस्बों में लगातार चुनावी सभाएं ले रहे हैं। सिमडेगा विधानसभा क्षेत्र में कल उन्होंने एक बड़ी जनसभा को संबोधित किया था। आज वे तोरपा विधानसभा क्षेत्र में आयोजित किसान मोर्चा के कार्यक्रम में शामिल हुए और तोरपा से भाजपा प्रत्याशी कोचे मुंडा के पक्ष में मतदान करने की अपील जनता जनार्दन से की। मंत्री केदार कश्यप ने पूरे देश के किसानों के कल्याण के लिए बनाई गई योजनाओं, किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना और छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार द्वारा 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर पर प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदे जाने की जानकारी वहां के किसानों को दी। उन्होंने कहा कि झारखंड में भाजपा की सरकार बनने पर यहां के भी किसानों को ऐसा ही लाभ मिलेगा, डबल इंजन की सरकार होने से झारखंड का विकास तीव्र गति से होगा। श्री कश्यप ने सभा में कहा कि छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार आदिवासी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में किसानों, आदिवासियों, युवाओं और महिलाओं के हित में बहुत ही बढ़िया काम कर रही है। छत्तीसगढ़ तेज गति से विकास कर रहा है, उसी तरह झारखंड में भी भारतीय जनता की सरकार बनने पर सभी को लाभ मिलेगा।

शासकीय योजनाओं का मैदानी हालात जानने दौरे पर निकले कलेक्टर

प्राचार्य, संकुल समन्वयक समेत 5 शिक्षकों का निलंबन के दिए निर्देश

बिलासपुर(विश्व परिवार)। कलेक्टर अवनीश शरण ने स्वामी आत्मानंद स्कूल जयराम नगर की प्राचार्या समेत 5 शिक्षकों को निलंबित करने के निर्देश दिए। ये सब अनधिकृत रूप से स्कूल से नदारद थे। एक शिक्षक ने तो आने वाले दिन सोमवार का भी अपना हाजिरी रजिस्टर में चढ़ा दिया था। मध्याह्न भोजन की मेनू का भी पालन नहीं किया जा रहा था। कलेक्टर ने आज मस्तुरी ब्लॉक के जयराम नगर सहित कई ग्रामों का सघन दौरा किया। शासकीय योजनाओं का फील्ड स्तर पर क्रियान्वयन का हालात नजदीक से देखने निकले थे। निलंबन की अनुशंसा जिन शिक्षकों के विरुद्ध की गई है, उनमें स्वामी आत्मानंद स्कूल जयराम नगर की प्राचार्या एम मोइत्रा, व्याख्याता एलबी मनोज कुमार तिवारी, व्याख्याता एलबी उषा महानंद, व्याख्याता एलबी प्रदीप कुमार राठौर और संकुल समन्वयक गणेश राम मिरी शामिल है। डीपीआई और संयुक्त संचालक शिक्षा को यथा नियम निलंबन के प्रस्ताव भेजे जा रहे हैं। कलेक्टर शरण ने बिलासपुर जिले की सीमा में ढेका से मुड़पार तक राष्ट्रीय राजमार्ग ऑथोरिटी (एनएचएआई) द्वारा बनाए जा रहे सड़क मार्ग का निरीक्षण किया। ढेका के नजदीक भू अर्जन संबंधी कुछ मामला लंबित है। उन्होंने स्थल निरीक्षण कर मामले को समझा और एसडीएम बिलासपुर को आगे की कार्रवाई के लिए निर्देश दिए। मामला पिछले लगभग दो साल से आगे नहीं बढ़ रहा था। बिलासपुर से उरगा राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण की लगभग 17 किलोमीटर सड़क की सीमा इस जिले में आती है।

भारत स्काउट गाइड स्थापना दिवस पर रैली एवं संगोष्ठी का हुआ आयोजन

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। भारत स्काउट गाइड की 75वीं स्थापना दिवस पर 7 नवम्बर 2024 को डोंगरगढ़ विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पारागांव खुर्द में रैली एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। स्काउट गाइड द्वारा सशक्त युवा विकसित भारत थीम के तहत रैली निकालकर ग्राम भ्रमण किया गया और स्काउट गाइड सेवा संस्था के उद्देश्य तहत बच्चों में अनुशासन, देशभक्ति, चारित्रिक विकास, बौद्धिक विकास, आध्यामिक विकास एवं सर्वागीण विकास कर सेवा भाई-चारा के संबंध में जानकारी दी गई। यह संस्था ईश्वर के प्रति कर्तव्य, दूसरे के प्रति कर्तव्य एवं स्वयं के प्रति कर्तव्यों के सिद्धांतों पर आधारित है। रैली भ्रमण के बाद संगोष्ठी आयोजित कर फ्लैग स्टीकर भेंट कर सहयोग राशि प्राप्त की गई। कार्यक्रम में स्काउट, गाइड, रोवर रेंजर एवं स्काउटर गाइडर ने सहभागिता की। इस अवसर पर श्री विष्णु प्रसाद साव, श्री राकेश भावते, श्री दविंदर सिंह भाटिया, श्री लेखराम वर्मा, श्री लक्ष्मीनारायण वर्मा, डॉ मिलन टेम्भूलकर, श्री अरविंद सहारे, श्री विजय टेम्बुरकर, श्री चंद्रशेखर सहारे, श्री ओमप्रकाश टेम्भुलकर, श्री विजय सरजारे, श्रीमती इंद्रा साखरे, श्री देवेंद्र अम्बाड़े, प्राचार्य श्री लेखराम वर्मा, श्री मयूख श्रीवास्तव उपस्थित थे।

स्वच्छता त्यौहार में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी, ग्रामीणजन हुए शामिल

ग्राम रामपुर में मनाया गया स्वच्छता त्यौहार

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह के निर्देशन में जिले में प्रत्येक शनिवार को स्वच्छता त्यौहार मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत गांव की साफ-सफाई की जा रही है। डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम रामपुर में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी-कर्मचारियों ने गांव की साफ-सफाई कर स्वच्छता त्यौहार मनाया गया। अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती गीता साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री भरत वर्मा, सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामवासियों द्वारा ग्राम रामपुर में बाजार के आसपास श्रमदान कर साफ-सफाई की गई और लोगों को घरों के साथ-साथ अपने गांव, गली मोहल्ले को स्वच्छ रखने के लिए विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर ग्रामवासियों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया गया। इस अवसर पर युवोदय के वालंटियर द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया गया। अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती गीता घासी साहू ने स्वच्छता गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि जिले में स्वच्छता त्यौहार मनाना बड़े गर्व की बात है क्योंकि स्वच्छता से ही हमारा पूरा परिवार स्वस्थ रहता है। स्वच्छता रखने से किसी प्रकार की बीमारी होने का खतरा कम होता है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील किया कि ग्राम में स्वच्छता दीदीयों का सम्मान करें और अपने घरों से निकलने वाले सूखे कचरे को स्वच्छता दीदीयों को ही दें, जिससे ग्राम में गंदगी नहीं होगी और गांव स्वच्छ रहेगा। उन्होंने सभी ग्रामवासियों, स्कूली बच्चे तथा अधिकारी-कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाकर सभी को प्रति सप्ताह 2 घंटे स्वच्छता के लिए श्रमदान करने व ग्राम में एक दिन साफ-सफाई करने के लिए प्रेरित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह द्वारा बताया गया कि प्रत्येक गांव में सभी आधिकारी और कर्मचारियों तथा पंचायत सचिव, शिक्षा विभाग, बिहान की दीदीयों के साथ सभी ग्रामवासी स्वच्छता त्यौहार में सम्मिलित होते हैं।

भ्रष्टाचार का शिकार बनी मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना, बच्चों की सुरक्षा पर खतरा

अधूरी मरम्मत, पूरा भुगतान- ठेकेदार और विभाग पर मिलीभगत का आरोप

बीजापुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश में स्कूलों का जीर्णोधार करने के लिए स्कूल जतन योजना लाई थी। इस योजना के तहत प्रदेश के जर्जर स्कूल भवनों के मरम्मत के लिए हजारों करोड़ रुपए खर्च किए गए थे ताकि स्कूल भवनों की हालत सुधर सके। लेकिन ये सुधार कार्य सिर्फ कागजों में ही सिमटकर रह गया क्योंकि जमीनी हकीकत तो कुछ और ही है। ताजा मामला बीजापुर जिले के भैरमगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत जैवारम के प्राथमिक शाला का है।यहां पर योजना के तहत आरईएस विभाग ने काम कराया था। इस जीर्णोधार के लिए इस स्कूल को 03 लाख 94 हजार रुपये दिए गए थे। ग्राम पंचायत जैवारम के प्राथमिक शाला के जीर्णोद्धार के लिए 3 लाख 94 हजार रुपये की राशि आवंटित की गई थी। इस राशि का उपयोग लोक निर्माण और ग्रामीण यांत्रिकी सेवा (आरईएस) विभाग के निर्देशन में स्कूल भवन की मरम्मत के लिए होना था। लेकिन, प्रधान पाठक के अनुसार, ठेकेदार ने केवल पेंट का कार्य कर इसे पूरा दिखाने का प्रयास किया। मरम्मत के बावजूद, पहली बारिश में ही स्कूल के छत से पानी टपकने लगा, जबकि खिड़कियों और दरवाजों की भी मरम्मत अधूरी रही। प्रधान पाठक ने जानकारी दी कि ठेकेदार लक्ष्मी नारायण साहू को बार-बार कहने पर केवल छत पर थोड़ी बहुत वाटरप्रूफिंग करवाई, लेकिन खिड़कियों में जाली नहीं लगाई, केवल कांच ही लगाए। इसके बावजूद ठेकेदार ने पूरा काम दिखाते हुए शाला प्रबंधन समिति से तीन लाख रुपये का भुगतान महालक्ष्मी ट्रेडर्स बीजापुर के नाम पर चेक के माध्यम से ले लिया। विभागीय सूत्रों का कहना है कि ठेकेदार ने आरईएस विभाग के एसडीओ के साथ मिलकर माप पुस्तिका तैयार की और अधूरे कार्य के बावजूद भुगतान प्राप्त किया। इस स्कूल में अभी भी छत, खिड़की, दरवाजा और बिजली व्यवस्था के सुधार कार्य अधूरे पड़े हैं। मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत सरकार का उद्देश्य प्रदेश के बच्चों को सुरक्षित और उपयुक्त अध्ययन माहौल प्रदान करना था। लेकिन बीजापुर के इस मामले ने योजना की पारदर्शिता और जमीनी कार्यान्वयन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय प्रशासन से उम्मीद की जा रही है कि वह इस मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करेगा ताकि इस प्रकार के भ्रष्टाचार पर रोक लगाई जा सके और बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके।

आदिवासी कन्या आश्रम में छात्रा की संदिग्ध अवस्था में मौत

सूरजपुर(विश्व परिवार)। जिले के डेडरी गांव में स्थित आदिवासी कन्या आश्रम में एक छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। छात्रा दूसरी कक्षा में पढ़ती थी। मौत के कारणों का अभी खुलासा नहीं हो पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद इसका खुलासा होगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार पूरा मामला कोतवाली थाना इलाके का है। मृतका छात्रा खुशमनी सिंह रामानुजनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सुरता निवासी मनोज सिंह की बेटी थी। वह ग्राम पंचायत डेडरी में संचालित आदिवासी कन्या आश्रम में यहां 2 वर्षों से रहकर पढ़ाई करती थी। शुक्रवार को छात्रा के गाल में सूजन आने पर आश्रम कर्मचारी द्वारा बेलाडोना पट्टी चिपका दिया गया था। इसके बाद छात्रा अपने कक्षा में पढ़ाई करने चली गई थी। कक्षा से शाम को वापस लौटने के बाद देर रात आश्रम की प्यून जशवंती राजवाड़े ने छात्रा के पास जाकर उसका हाल-चाल पूछा था। छात्रा 9 नवंबर को सोकर सुबह करीब पौने 6 बजे तक नहीं उठी तो आश्रम के कर्मचारियों द्वारा उसे तत्काल संजीवनी 108 से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिश्रामपुर लाया गया। यहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर मंगलवार 12 नवंबर 2024

व्यापार समाचार

भारत का स्मार्टफोन बाजार इस साल 7-8 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रीमियम, 5जी और एआई स्मार्टफोन की मजबूत मांग के कारण भारत के स्मार्टफोन बाजार में इस साल तेजी का अनुमान जताया जा रहा है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत के स्मार्टफोन बाजार में 7-8 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। वहीं, भारत में मोबाइल हैंडसेट बाजार में स्थिर वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है। साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) के विश्लेषक-इंडस्ट्री इंटेलिजेंस ग्रुप (आईआईजी) पंकज जादली ने कहा, जैसे-जैसे ब्रांड टेक्नोलॉजी के अंतर को कम करने और किफायती 5जी डिवाइस पेश करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, प्रतिस्पर्धा तेज होने की संभावना बढ़ती जाती है। आने वाली तिमाहियों में एआई-इनेबल्ड डिवाइस को लेकर ग्राहकों की पसंद बनी रहेगी। तीसरी तिमाही में, वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद भारत के स्मार्टफोन बाजार में 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। भारत में उपभोक्ता मांग मजबूत बनी हुई है, जो मिड-रेंज और प्रीमियम स्मार्टफोन को पसंद करने के कारण है। 5जी स्मार्टफोन शिपमेंट की हिस्सेदारी बढ़कर 82 प्रतिशत हो गई, जो कि सालाना आधार पर 49 प्रतिशत की एक बड़ी वृद्धि है। तिमाही के दौरान 18 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ वीवो 5जी स्मार्टफोन बाजार में सबसे आगे रहा, जबकि सैमसंग 17 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहा। सीएमआर की एनालिस्ट-इंडस्ट्री इंटेलिजेंस ग्रुप मेनका कुमारी के अनुसार, भारत का स्मार्टफोन बाजार अनुकूलनशीलता प्रदर्शित कर रहा है, जिसमें उपभोक्ता प्राथमिकताएं 5जी अपनाने और प्रीमियम सुविधाओं पर अधिक केंद्रित हैं। 5जी स्मार्टफोन की निरंतर वृद्धि 10 हजार-13 हजार प्राइस बैंड के साथ जुड़ी है। जो कि किफायती कीमत पर हाई-परफॉर्मेंस डिवाइस चाहने वाले ग्राहकों की बढ़ती संख्या का संकेत है। इसके अतिरिक्त, प्रीमियम फोन की लहर मजबूत बनी हुई है, प्रीमियम सेगमेंट (25,000 रुपये से ऊपर) में 26 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि देखी गई। एप्पल ने सबसे महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की, जिसमें शिपमेंट में 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में फीचर फोन बाजार में तीसरी तिमाही में 14 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, जिसका मुख्य कारण 4जी फीचर फोन शिपमेंट में 46 प्रतिशत की एक बड़ी गिरावट है।

दलजीत कौर ने 10 लाख रुपये का टाको बेल फाउंडेशन एंबिशन एक्सेलरेटर्स ग्रांट पुरस्कार जीता

रायपुर । टाको बेल फाउंडेशन ने ग्लोबल सोशल एंट्रेप्रेन्योरशिप अर्गेनाईज़ेशन अशोका के साथ भारत में पहले एम्बिशन एक्सेलरेटर सम्मेलन के मुख्य चेंजमेकर्स की घोषणा की। विजेताओं में छत्तीसगढ़ से 20 वर्षीय चेंजमेकर, दलजीत कौर को उनकी इनोवेटिव सोशल इंपैक्ट पहल 'प्रगति' के लिए 10 लाख रुपये की ग्रांट दी गई। इस पहल का उद्देश्य स्कूलों में ड्रपआउट की दर को कम करना है। यह पुरस्कार उन्होंने बैंगलोर में आयोजित कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद जीता। एम्बिशन एक्सेलरेटर इंडिया ग्रांड प्राईज़ विजेता, दलजीत कौर ने कहा, ''मैं इस अवसर के लिए बहुत आभारी हूँ और यह ग्रांट पाकर बहुत गौरवान्वित महसूस कर रही हूँ।'' उन्होंने कहा, ''एम्बिशन एक्सेलरेटर द्वारा मुझे परिवर्तनकारी अनुभव प्राप्त हुआ है। यहाँ मुझे अपनी कल्पना को साकार करने के लिए टूल्स, सहयोग और प्रेरणा मिली। मैं प्रगति को और ज्यादा लोगों तक पहुँचाने और समाज में इसके प्रभाव का विस्तार करने के लिए उत्साहित हूँ।'' भारत में टाको बेल फाउंडेशन के एम्बिशन एक्सेलरेटर सम्मेलन में देश से 16 से 26 साल के सर्वोच्च 25 चेंजमेकर्स ने हिस्सा लिया, जिनका चयन इसके लिए प्राप्त हुए 192 आवेदनों में से किया गया था। फाईनल पिच प्रतियोगिता में पाँच फाइनलिस्ट ने अपने विचार जजों के प्रतिष्ठित पैनल के समक्ष प्रस्तुत किए। जिनमें समीर कुमार दलाई (सीनियर वाईस प्रेसिडेंट, अपरेशंस मैनेजमेंट, टाको बेल - बर्मन हस्पिटैलिटी), सौरभ उपाध्याय (हेड अफ़ट्रेनिंग, टाको बेल - यम! रेस्टोरेंट), आकाश सिंह (अशोका यंग चेंजमेकर), अदिति गेरा (अशोका यंग चेंजमेकर) और अजीत सिंह (अशोका फैलो) शामिल थे। विजेता के अलावा चार फाइनलिस्ट्स में से प्रत्येक को अपने प्रोजेक्ट्स के लिए 2-2 लाख रुपये दिए गए। एम्बिशन एक्सेलरेटर यम! ब्रांड्स के 100 मिलियन डलर के अनलकिंग अपर्च्युनिटी अभियान द्वारा वित्तपोषित है और इसका उद्देश्य एक ज्यादा समानतापूर्ण एवं समावेशी समाज का निर्माण करना है। टाको बेल फाउंडेशन और अशोका द्वारा भारत में इस पहले सम्मेलन की सफलता भारत में युवाओं की इनोवेटिव भावना और विकसित होते हुए विचारों का प्रमाण है।

मणिपाल सिग्ना ने लॉन्च किया 'सर्व': भारत के मिसिंग मिडिल पर विशेष ध्यान देने वाली संपूर्ण स्वास्थ्य बीमा योजना

मुंबई। सबसे तेजी से बढ़ती स्टैंडअलोन स्वास्थ्य बीमा कंपनियों में से एक, मणिपाल सिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस ने अपनी नई स्वास्थ्य बीमा पेशकश, 'मणिपाल सिग्ना सर्व' के लॉन्च की घोषणा की है। संपूर्ण स्वास्थ्य बीमा समाधान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया, 'सर्व' - जिसका अर्थ है सभी के लिए, व्यापक ग्राहक वर्गों के लिए किफायती और समावेशी स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करता है, जिसमें भारत की लापता मध्यम आबादी पर विशेष ध्यान दिया जाता है। भारत संक्रामक, गैर-संक्रामक और जीवनशैली संबंधी बीमारियों के तीन गुना बोझ से जूझ रहा है। नीति आयोग की 'भारत के लापता मध्यम वर्ग के लिए स्वास्थ्य बीमा' रिपोर्ट के अनुसार, कम से कम 30त्न आबादी या 'लापता मध्यम वर्ग' के वर्ग में आने वाले 35-40 करोड़ व्यक्ति स्वास्थ्य के लिए किसी भी वित्तीय सुरक्षा से वंचित हैं। इस प्रकार, देश भर में स्वास्थ्य बीमा की पैठ बढ़ाने और लापता मध्यम वर्ग सहित विभिन्न ग्राहक वर्गों की जरूरतों को पूरा करने के लिए, मणिपाल सिग्ना ने अप्रत्याशित उच्च स्वास्थ्य व्यय से बचाव के लिए पूर्ण स्वास्थ्य बीमा सुरक्षा प्रदान करने के लिए 'सर्व' लॉन्च किया है, जो परिवारों को गरीबी में धकेले जाने से बचा सकता है। मणिपाल सिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक और सीईओ श्री प्रसून सिकदर ने लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए कहा, मणिपाल सिग्ना में, हमारी प्रतिबद्धता सिर्फ़स्वास्थ्य बीमा की पेशकश करने से कहीं आगे जाती है - यह ऐसे समाधानों को नया रूप देने के बारे में है जो स्वास्थ्य सेवा की पहुँच और सामर्थ्य में महत्वपूर्ण अंतर को पाटते हैं।

इंग्लैंड ने पहले टी20 में वेस्टइंडीज को दी पटखनी

बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को दूसरे वनडे में रौंदा

नईदिल्ली(एजेंसी)। इन दिनों इंग्लैंड और वेस्टइंडीज की टीमें पांच मैचों की टी20 सीरीज व अफगानिस्तान और बांग्लादेश की टीमें तीन मैचों को वनडे सीरीज के लिए आमने-सामने हैं. इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज पहला टी20 हराकर सीरीज का आगाज किया, जबकि दूसरी तरफ बांग्लादेश ने दूसरा वनडे जीतकर सीरीज में 1-1 से बराबरी की. तो आइए जानते हैं दोनों मैचों का क्या हाल रहा. अब बांग्लादेश-अफगानिस्तान के बीच तीसरा वनडे फाइनल के रूप में खेला जाएगा. इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की सीरीज का पहला टी20 बारबाडोस में खेला गया. मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बॉलिंग करने का फैसला किया. पहले बैटिंग करने उतरी वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 182/9 रन बोर्ड पर लगाए. इस दौरान टीम के लिए निकोलस पूरन ने सबसे बड़ी पारी खेलते हुए 29 गेंदों में 2 चौके और 3 छक्कों की मदद से 38 रन स्कोर किए. इंग्लैंड के लिए साकिब महमूद ने सबसे ज्यादा 4 विकेट झटके. फिर लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लिश टीम ने 16.5 ओवर में 183/2 रन बनाकर आसानी से जीत हासिल कर ली. इस दौरान टीम के लिए ओपनिंग पर उतरे फिल सॉल्ट ने 54 गेंदों में 9 चौके और 6 छक्कों की मदद से 103* रन बनाए. बांग्लादेश और अफगानिस्तान के बीच दूसरा वनडे शारजाह के शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया. मुकाबले में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला किया और 50 ओवर में 252/7 रन बोर्ड पर लगाए. इस दौरान कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने 6 चौके और 1 छक्के की मदद से 76 (119 गेंद) रन स्कोर किए. फिर लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की टीम 43.3 ओवर में 184 रनों पर ऑलआउट हो गई. इस दौरान टीम के लिए रहमत शाह ने सबसे बड़ी पारी खेलते हुए 5 चौकों की मदद से 52 (76 गेंद) रन बनाए. अफगानिस्तान ने मुकाबले में 68 रनों से हार झेली. इस दौरान बांग्लादेश के लिए नसुम अहमद ने सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके.

विराट कोहली ने 361 दिन से और स्टीव स्मिथ ने 501 दिन से नहीं लगाया शतक

नईदिल्ली(एजेंसी)। विराट कोहली इन दिनों खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं. हाल ही में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज में कोहली का बल्ला पूरी तरह से फ्लॉप दिखाई दिया था. टेस्ट के अलावा व्हाइट बॉल फॉर्मेट में भी कोहली कुछ वक्त से फ्लॉप दिख रहे हैं. अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सिर्फ कोहली की नहीं बल्कि कुछ स्टीव स्मिथ जैसे दिग्गज भी शतकों से सूखे गुजर रहे हैं. कोहली को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में आखिरी शतक लगाए हुए एक साल से भी ज्यादा का वक्त गुजर चुका है. कोहली के अलावा ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन ने भी सालों से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में शतक नहीं लगाया है. स्मिथ ने करीब 2 साल पहले और लाबुशेन ने करीब डेढ़ साल पहले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में शतक लगाया था. विराट कोहली- विराट कोहली के बल्ले से आखिरी अंतर्राष्ट्रीय शतक निकले हुए 361 दिन गुजर चुके हैं. कोहली के बल्ले से आखिरी शतक 2023 वनडे वर्ल्ड कप में आया था, जो उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ लगाया था. अब उस शतक को एक साल से भी ज्यादा का वक्त गुजर गया है. मार्नस लाबुशेन- ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में आखिरी शतक 428 दिन पहले लगाया था. लाबुशेन ने आखिरी अंतर्राष्ट्रीय शतक सितंबर, 2023 में लगाया था, जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए वनडे में आया था.

ऋषभ पंत का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कैसा रहा है प्रदर्शन? जानिए आंकड़े

टेस्ट क्रिकेट

नईदिल्ली(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी।विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में भारतीय टीम फिलहाल दूसरे स्थान पर है। ऐसे में उसे यह सीरीज हर हाल में जीतनी होगी।इस सीरीज में ऋषभ पंत से टीम को बड़े स्कोर की उम्मीद होगी। वह अभी टेस्ट क्रिकेट में कमाल के फॉर्म में चल रहे हैं।ऐसे में आइए उनके ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्रदर्शन पर एक नजर डालते हैं। पंत ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बाद अपने टेस्ट करियर में सबसे ज्यादा रन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बनाए हैं। साल 2018 में पंत ने इस टीम के खिलाफ पहला टेस्ट खेला था।उन्होंने कंगारू टीम के खिलाफ 7 मुकाबले खेले हैं। इसकी 12 पारियों में 2 बार नाबाद रहते हुए 624 रन बनाए हैं। उनकी औसत 62.40 की रही है।उनके बल्ले से 1 शतक और 2 अर्धशतक निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 159* रन रहा है। पंत ने साल 2024 में 5 टेस्ट खेले हैं। इसकी 10 पारियों में 1 बार नाबाद रहते हुए 46.88 की औसत के साथ 422 रन बनाए हैं।उनके बल्ले से 1 शतक और 3 अर्धशतक निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 109 रन रहा है।हाल ही में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ खत्म हुई टेस्ट सीरीज में पंत सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उन्होंने 3 मैच की 6 पारियों में 43.50 की औसत से 261 रन बनाए थे। आखिरी बार पंत ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर 2020/21 की सीरीज में खेलते हुए नजर आए थे। उस सीरीज में यह खिलाड़ी भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाला बल्लेबाज था।

एशियन पेंट्स ने 42.4 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 694 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया

नई दिल्ली(एजेंसी)। एशियन पेंट्स लिमिटेड ने जुलाई-सितंबर अवधि (वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही) में 42.4 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 694.6 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 1,205.4 करोड़ रुपये था। कंपनी का राजस्व भी 5.3 प्रतिशत घटकर 8,003.02 करोड़ रुपये रह गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 8,451.93 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 2,755.8 करोड़ रुपये से 32.3 प्रतिशत घटकर 1,864.6 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने अपनी नियामक फाइलिंग में कहा कि कंसोलिडेटेड शुद्ध बिक्री 17,605.7 करोड़ रुपये से 3.7 प्रतिशत घटकर 16,946.3 करोड़ रुपये रह गई। तिमाही के दौरान पेंट उद्योग को मांग में कमी का सामना करना पड़ा। एशियन पेंट्स के प्रबंध निदेशक और सीईओ अमित सिंगल ने कहा, घरेलू डेकोरेटिव कोटिंग्स सेगमेंट की मात्रा में मामूली गिरावट आई, जबकि कुल घरेलू कोटिंग्स राजस्व में तिमाही के दौरान 5.5 प्रतिशत की गिरावट आई। इस गिरावट की मुख्य वजह उपभोक्ता भावनाओं में कमी और देश के कुछ हिस्सों में बारिश और बाढ़ रही। उन्होंने कहा, हालांकि हमने तिमाही के दौरान कीमतों में वृद्धि की, लेकिन इसका पूरा प्रभाव वर्ष की दूसरी छमाही में ही दिखाई देगा। जनरल इंडस्ट्रियल, प्रोटेक्टिव कोटिंग और रिफिनिश सेगमेंट में इंडस्ट्रियल बिजनेस ने सिंगल अंक के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। कंपनी ने होम डेकोर कैटेगरी में तेजी जारी रखी। कंपनी के सीईओ के अनुसार, इथियोपिया और बांग्लादेश जैसे कुछ प्रमुख बाजारों में प्रतिकूल बाजार स्थितियों के बावजूद, अंतरराष्ट्रीय व्यापार पोर्टफोलियो ने तिमाही के लिए राजस्व में मामूली गिरावट दर्ज की। एसोसिएट्स से लाभ को छोड़कर एशियन पेंट्स का कंसोलिडेटेड पीबीडीआईटी 1,716.2 करोड़ रुपये से 27.8 प्रतिशत घटकर 1,239.5 करोड़ रुपये रह गया। शुद्ध बिक्री के प्रतिशत के रूप में पीबीडीआईटी मार्जिन एक साल पहले के 20.3 प्रतिशत से घटकर 15.5 प्रतिशत रह गया।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले पाकिस्तान में दिखा प्रदूषण का कहर

नईदिल्ली(एजेंसी)। चैपियंस ट्रॉफी 2025 पाकिस्तान की मेजबानी में खेली जानी है. टूर्नामेंट फरवरी और मार्च के बीच होगी, लेकिन उससे पहले पाकिस्तान में प्रदूषण का कहर देखने को मिला. खतरनाक प्रदूषण के चलते पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को कुछ मैच दूसरे स्टेडियम में शिफ्ट कराने पड़े. मुल्तान का एयर क्वालिटी इंडेक्स 2000 से ऊपर दर्ज किया गया, जो वाकई चिंता करने की बात है. हाल ही में जारी हुई दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की लिस्ट में पाकिस्तान का लाहौर अव्वल नंबर पर था. पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में प्रदूषण का ज्यादा कहर दिख रहा है. पंजाब प्रांत के कुछ शहरों का एयर क्वालिटी इंडेक्स 2000 से ऊपर चला गया है, जो किसी के लिए भी बड़ा खतरा साबित हो सकता है. एयर क्वालिटी इंडेक्स को मद्दे नजर रखते हुए कायदे आजम ट्रॉफी (रणजी ट्रॉफी के जैसी पाकिस्तान की लीग) के मुकाबलों को पंजाब प्रांत के बाहर शिफ्ट कर दिया गया है. ग्रुप सी के चौथे राउंड के मैचों को तीन अलग-अलग स्थानों- हरिपुर, स्वाबी और मीरपुर में स्थानांतरित कर दिया गया है. रिपोर्ट के मुताबिक, कराची रीजन ब्लूज और डेरा मुराद जमाली के बीच मुकाबला मीरपुर में खेला जाएगा. सियालकोट रीजन और लाहौर रीजन के बीच मैच स्वाबी में होगा. आखिर में, क्वेटा रीजन और फाटा रीजन के बीच मैच हरिपुर में खेला जाएगा. इसके अलावा मुल्तान और शेखपुरा के बाकी मैचों को भी दूसरी जगहों पर स्थानांतरित कर दिया गया है. पाकिस्तान के अंदर बीते कुछ महीनों में वायु प्रदूषण में भारी वृद्धि देखी गई है. रिपोर्ट के मुताबिक, सिर्फ पंजाब में 8 से 17 नवंबर तक 10 जिले बंद कर दिए गए हैं. वायू प्रदूषण के चलते पाकिस्तान की खराब स्थिति चैंपियंस ट्रॉफी के लिए चिंता बढ़ा रही है. हालांकि अभी टूर्नामेंट के लिए शेड्यूल जारी नहीं हुआ है. इसके अलावा अभी ये भी साफ नहीं हो पाया है कि भारतीय टीम पाकिस्तान का दौरा करेगी या नहीं.

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस : टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की पहल भारत के युवाओं के लिए कौशल विकास को बढ़ावा देती है

बैंगलोर : टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाते हुए प्रभावशाली पहल की श्रृंखला के जरिये भारत में कौशल की कमी को पाटने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। कर्नाटक और पूरे भारत में आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं के सशक्तिकरण पर मजबूत फोकस के साथ, टीकेएम के शैक्षिक और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम रोज़गार के रास्ते बना रहे हैं जो आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे रहे हैं और भारत के औद्योगिक विकास में योगदान देते हैं। टीकेएम के मिशन का एक प्रमुख स्तंभ टोयोटा तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान (टीटीटीआई) है, जिसकी स्थापना 2007 में हुई थी। 15 वर्षों से अधिक समय से टीटीटीआई आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के युवाओं को मुफ्त, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान कर रहा है, जो ऑटोमोबाइल निर्माण में विशेषज्ञता रखता है। संस्थान एक कठोर तीन वर्षीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है जो न केवल तकनीकी कौशल का निर्माण करता है बल्कि छात्रों के समग्र विकास पर भी ध्यान केंद्रित करता है। पाठ्यक्रम में व्यावहारिक प्रशिक्षण, वैश्विक विनिर्माण प्रथाओं की गहरी समझ और शारीरिक व समुदाय-निर्माण गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया जाता है। कुशल तकनीशियनों की बढ़ती मांग को पूरा करने और महिला सशक्तिकरण का समर्थन करने के लिए, टीकेएम ने हाल ही में टीटीटीआई की क्षमता को दोगुना करके 1,200 छात्रों तक कर दिया है। 'कौशल भारत' के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, टीकेएम ने टोयोटा कौशल्या कार्यक्रम शुरू किया है, जो सीखें और कमाएँ मॉडल के तहत दो साल का कोर्स है। यह कार्यक्रम छात्रों को सीखने के दौरान आय अर्जित करने की अनुमति देकर टीटीटीआई की नियमित पेशकशों का पूरक है। इसमें कक्षा के ज्ञान को टोयोटा की सुविधाओं में ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग (ओजेटी यानी काम करते हुए प्रशिक्षण) के साथ जोड़ा गया है। ग्रामीण कर्नाटक के प्रतिभाशाली युवाओं के लिए डिज़ाइन किया गया, कौशल्या कार्यक्रम छात्रों को आज के नौकरी बाजार में आवश्यक विशेष कौशल प्रदान करता है, उन्हें मूल्यवान उद्योग अनुभव प्रदान करता है और उनकी रोजगार क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाता है। इसके अलावा, भविष्य के ऑटोमोटिव पेशेवरों को विकसित करने के लिए टीकेएम का समर्पण इसके टोयोटा तकनीकी शिक्षा कार्यक्रम (टी-टीईपी) में स्पष्ट है।

नेटफ्लिक्स ने क्राईम ड्रामा नीरज पांडे के सिकंदर का मुकद्दर का ट्रेलर जारी किया

नेटफ्लिक्स ने क्राईम ड्रामा, नीरज पांडे के सिकंदर का मुकद्दर का ट्रेलर जारी कर दिया है। इसमें जिमी शेरगिल, अविनाश तिवारी, और तमन्ना भाटिया मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्माण फ्राईडे स्टोरीटेलर्स ने किया है। सिकंदर का मुकद्दर में एक हीरे की चोरी की गुत्थी सुलझाने के लिए एक पुलिस अधिकारी की दिलचस्प कहानी दिखाई गई है। लेकिन वो यह किस कीमत पर करता है? लगातार बढ़ते तनाव के बीच सवाल उठता है: क्या तीनों संदिग्ध वास्तव में दोषी हैं, या फिर इस कहानी में कुछ और छिपा है, जो दिखाई नहीं दे रहा? इस फिल्म के बारे में नीरज पांडे ने बताया कि वो एक जुनून और रहस्य की एक ऐसी कहानी बुनना चाहते थे, दो दर्शकों को रोमांचित कर दे। उन्होंने कहा मैं एक स्टोरीटेलर के रूप में हमेशा से एक रोमांचक, दिलचस्प और मनोरंजक कहानी पेश करना चाहता था। सिकंदर का मुकद्दर वही कहानी है। इस फिल्म के निर्देशन का अनुभव अच्छा था, और कलाकारों ने पूरी तत्परता के साथ अपने किरदार निभाए। नेटफ्लिक्स और फ्राईडे स्टोरीटेलर्स के बीच की इस पार्टनरशिप को मजबूत करते हुए हम यह कहानी पूरे विश्व में अपने दर्शकों के समक्ष रखने के लिए उत्साहित हैं। रुचिका कपूर शेख, डायरेक्टर ओरिज़नल फिल्म्स, नेटफ्लिक्स इंडिया ने कहा हम सिकंदर का मुकद्दर पेश करने के लिए उत्साहित हैं। यह फिल्म एक दिलचस्प क्राईम थ्रिलर है, जो अंत तक दर्शकों की दिलचस्पी बनाकर रखेगी। इस फिल्म में मानवीय व्यवहार का गहरा चित्रण किया गया है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, मंगलवार 12 नवम्बर 2024

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने संत नामदेव जयंती की दी शुभकामनाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों को संत नामदेव जयंती की बधाई और शुभकामनाएं दी है। श्री साय ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि संत नामदेव महाराष्ट्र में कार्तिक एकादशी के दिन जन्म लेने वाले प्रसिद्ध संत-कवि हैं। भगवान विठोबा के अनन्य भक्त नामदेव जी का संपूर्ण जीवन भक्तिभाव से ओतप्रोत था। उन्होंने भक्तिगीतों की रचना की और हरिनाम को लोक सुलभ बनाकर उसका प्रचार किया। श्री साय ने कहा है कि संत नामदेव की भक्ति और समता के संदेश आज भी हम सभी का मार्गदर्शन करते हैं।

जनजातीय गौरव दिवस पर छत्तीसगढ़ सहित 17 राज्यों के आदिवासी नर्तक दलों की होगी मनमोहक प्रस्तुति

रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में 14 और 15 नवंबर को होगा राज्य स्तरीय आयोजन

आदि लोक नृत्य नाटिका, भील भगोरिया नृत्य, गारो और आओ नागा सहित होंगी विभिन्न प्रस्तुतियां

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में 14 एवं 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती-जनजातीय गौरव दिवस पर राज्य स्तरीय भव्य आयोजन किया जायेगा। दो दिवसीय आयोजित इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सहित 17 राज्यों के आदिवासी नर्तक दल मनमोहक प्रस्तुतियां देंगे। इनमें अरूणाचल प्रदेश के आदि लोक नृत्य नाटिका, मध्यप्रदेश के भील भगोरिया नृत्य, मेघालय के गारो लोक नृत्य और नागालैण्ड के आओ नागा लोक नृत्य सहित विभिन्न आकर्षक प्रस्तुतियां होगी।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 15 नवंबर को जमुई (बिहार) से जनजातीय गौरव दिवस का शुभारंभ करेंगे। वे छत्तीसगढ़ में आयोजित कार्यक्रमों में वर्चुअली शामिल होंगे और पीएम जनमन योजना में शामिल जिलों के हितग्राहियों से चर्चा भी करेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में भी एक दिवसीय गौरव दिवस का आयोजन किया जायेगा।

आदिम जाति विभाग द्वारा इसकी तैयारियां की जा रही हैं। साइंस कॉलेज मैदान में जनजातीय गौरव दिवस के दौरान 14 एवं 15 नवंबर को पूर्वान्ह 11 बजे से लेकर रात्रि 8 बजे तक जनजातीय गौरव पर आधारित विविध कार्यक्रमों का आयोजन होगा, जिसमें विषय विशेषज्ञ सहित कई राज्यों के आदिवासी कलाकार, आदिवासी कला संस्कृति के मर्मज्ञ शामिल होंगे। दो दिवसीय राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन को भव्य एवं यादगार बनाने के लिए आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा देश के विभिन्न राज्यों से आदिवासी नर्तक दलों एवं कलाकारों को विशेष रूप से आमंत्रित किया जा रहा है। अब तक 18 राज्यों के 22 आदिवासी नर्तक दलों ने इस दो दिवसीय आयोजन में शामिल होने के लिए अपनी सहमति दी है, जिसमें अरूणांचल प्रदेश, मिजोरम, नागालैण्ड, मेघालय, आसाम, त्रिपुरा, उत्तराखण्ड, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान सहित अन्य राज्यों के आदिवासी नर्तक दल शामिल हैं। इनमें पुरूष एवं महिला कलाकारों की संख्या लगभग 425 है।

प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने बताया कि 14 नवंबर एवं 15 नवंबर को साइंस कॉलेज मैदान में संध्या 3 बजे से अंतर्राज्यीय लोक नर्तक दलों के सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति के साथ-साथ जनजातीय गौरव से संबंधित विषयों पर संगोष्ठी का आयोजन तथा जनजातीय जीवन शैली पर चित्रकला का प्रदर्शन भी होगा।

विद्यार्थी जीवन में खेलों का बहुत महत्व है, इससे शरीर स्वस्थ एवं मजबूत बनता है : डॉ. चंदेल

पूर्वी क्षेत्रीय अन्तरमहाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय रायपुर में पूर्वी क्षेत्रीय अन्तर्महाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता 2024 की शुरूआत हुई। कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने पूर्वी क्षेत्रीय अन्तरमहाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। पूर्वी क्षेत्रीय अन्तरमहाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय रायपुर, स्वामी विवेकानंद कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, रायपुर, खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय रायपुर, कृषि महाविद्यालय, महासमुंद, कृषि महाविद्यालय भाटापारा, कृषि महाविद्यालय, मर्रा, पाटन तथा कृषि महाविद्यालय, गरियाबंद के 270 प्रतिभागी शामिल हुए जिनमें 160 छात्र एवं 110 छात्राएं हैं। 11 से 13 नवम्बर, 2024 तक आयोजित होने वाली इस तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत विभिन्न क्रीड़ा स्पर्धाओं का आयोजन किया जा रहा है। इस अन्तरमहाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत व्यक्तिगत स्पर्धाओं में लम्बी कूद, ऊंची कूद, ट्रिपल जंप, भाला फेंक, गोला फेंक, डिस्क थ्रो, 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, हर्डल दौड़ तथा 4ग्100 मीटर एवं 4ग्400 मीटर रिले दौड़ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। सामूहिक स्पर्धाओं के अंतर्गत वॉलीबाल, खो-खो, कबड्डी, बैडमिंटन तथा टेबल टेनिस स्पर्धाओं का आयोजन किया जा रहा है।

खेल-कूद प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और कहा कि विद्यार्थी जीवन में खेलों का बहुत महत्व है। इससे शरीर स्वस्थ एवं मजबूत बनता है एवं बच्चों में टीम स्पिरिट तथा खिलाड़ी भावना का विकास होता है जो भविष्य में उन्हें सफल एवं अनुशासित नागरिक बनने में योगदान देते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से आव्हान किया कि वे अपनी पूरी क्षमता तथा मेहनत के साथ प्रतियोगिता में भाग लें तथा सफलता अर्जित करें। मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने प्रतिभागियों को खेल भावना की शपथ दिलायी।

उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के अंतर्गत संचालित समस्त कृषि महाविद्यालयों को चार जोन में विभाजित किया गया, जिसमें पूर्वी क्षेत्र के अन्तर्गत 11 महाविद्यालय आते हैं। पूर्वी क्षेत्रीय अन्तरमहाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता में सात महाविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया है। विश्वविद्यालय के पश्चिम, उत्तर एवं दक्षिण जोन के 28 महाविद्यालयों में भी अन्तरमहाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के समस्त कृषि महाविद्यालयों के चार जोन में आयोजित होने वाले अन्तरमहाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता से प्रत्येक जोन के चयनित 40-40 विद्यार्थियों का एक टीम गठित किया जाएगा जो विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजन होने वाली अंतर विश्वविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता में अपने-अपने जोन का प्रतिनिधित्व करेंगे। चारों जोन की विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित हाने वाली खेल-कूद प्रतियोगिता से चयनित 40 विद्यार्थियों की एक राष्ट्रीय टीम का गठन किया जाएगा जो इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित अन्तर कृषि विश्वविद्यालयों खेल-कूद प्रतियोगिता में करेंगे।

शुभारंभ समारोह में आयोजन समिति के अध्यक्ष कृषि महाविद्यालय, रायपुर के अधिष्ठाता डॉ. जी.के. दास, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा तथा निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. एस.एस. टुटेजा ने भी संबोधित किया।

इंडिया पोस्ट पेमेंटस् बैंक द्वारा पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने की सुविधा उपलब्ध

रायपुर (विश्व परिवार)। इंडिया पोस्ट पेमेंटस् बैंक द्वारा पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग के सहयोग से 01 से 30 नवबंर 2024 तक राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक और फिंगरप्रिंट बायोमैट्रिक ऑथेंटिकेशन की सहायता से दूरदराज एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले सभी पेंशनभोगियों और वरिष्ठ नागरिक पेंशन भोगियों को उनके घर के नजदीक डिजीटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की सुविधा प्रदान की जा रही है।

केन्द्र एवं राज्य सरकार की नौकरियों से रिटायर हुए कर्मचारियों को पेंशन निर्बाध रूप से मिलती रहे, इसके लिए प्रतिवर्ष नवंबर माह में पेंशनर को जीवन प्रमाण पत्र यानि लाइफ सर्टिफिकेट जमा कराना होता है। यह सेवा वृद्ध पेंशनभोगियों के लिए बहुत उपयोगी है क्योंकि उन्हें पेंशन वितरण एजेंसी के कार्यालय में भौतिक रूप से जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

पेंशनभोगी इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक द्वारा दी जाने वाली डोरस्टेप डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट सेवा के माध्यम से अथवा डाकघर की गूगल प्ले स्टोर के पोस्ट इन्फो एप के सर्विस रिक्वेस्ट सुविधा के माध्यम से अपना जीवन प्रमाण-पत्र बनवा सकेगें। इसके लिए पेंशनभोगी को केवल निकटतम डाकघर या डाकिया / ग्रामीण डाक सेवक से संपर्क करना होगा अथवा पोस्ट इन्फो एप के माध्यम से डी. एल. सी बनाने के लिए रिक्वेस्ट भेजनी होगी। इसके बाद डाकिया/ग्रामीण डाक सेवक को अपना आधार नंबर और पेंशन विवरण प्रदान करना होगा।

डिजिटल लाईफ सर्टिफिकेट तैयार करने के लिए जी.एस.टी सहित 70/- का मामूली शुल्क लिया जाता है। प्रमाण पत्र तैयार करने की प्रक्रिया पूर्ण होने पर पेंशनभोगी को उसके मोबाइल नंबर पर पुष्टिकरण एस. एम. एस प्राप्त होगा। प्रमाण पत्र को https://jeevanpramaan.gov.in/ppouser/ पर लॉगइन कर ऑनलाइन भी देखा जा सकता है। इंडिया पोस्ट पेमेंटस् बैंक द्वारा यह सुविधा छत्तीसगढ़ के 134 उप डाकघरों एवं प्रधान डाकघरों में कैंप / शिविर के माध्यम से भी प्रदान की जा रही है। अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी डाकघरों एवं इंडिया पोस्ट पेमेंटस् बैंक में संपर्क किया जा सकता है।

मतदाताओं को जागरूक करने जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सिंह के नेतृत्व में हुई बाईक रैली

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण विधानसभा उप चुनाव में अधिक से अधिक मतदान के लिए मतदाताओं को जागरूक करने आज कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह तथा एसएसपी श्री संतोष सिंह के नेतृत्व में स्वीप बाइक रैली का आयोजन किया गया। यह रैली कलेक्टोरेट परिसर रायपुर से आकाशवाणी चौक, टिकरापारा चौक, संजयनगर, संतोषीनगर, मठपुरैना, रायपुरा, सुंदरनगर, लाखेनगर, पुरानीबस्ती, कालीबाड़ी चौक, चंगोराभाठा, कुशालपुर, बुढ़ातालाब, सदरबाजार, कोतवाली थाना चौक, जयस्तंभ चौक, घड़ी चौक मोतीबाग चौक, व्हाइट हाउस नगर निगम गार्डन में समाप्त हुई। जहां पर जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह ने उपस्थित प्रबुद्धजनों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, जिला स्वीप नोडल अधिकारी श्री विश्वदीप सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री की योजनाओं एवं उपलब्धियों के साथ झारखंड में भाजपा के संकल्पों को जन-जन तक पहुंचा रही पंडरिया विधायक

पांच वर्षों में सोरेन सरकार ने जितनी घोषणाएं नहीं की उससे ज्यादा भ्रष्टाचार और घोटाले किये हैं : भावना बोहरा

रायपुर (विश्व परिवार)। झारखण्ड में 13 और 20 नवम्बर को दो चरणों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। भारतीय जनता पार्टी भी पूरे ताकत के साथ अपने प्रचार में जुटी हुई हैं तो वहीं छत्तीसगढ़ से भी प्रवासी प्रभारी के रूप में विधयाकों, सांसदों व शीर्ष नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। पंडरिया विधायक भावना बोहरा को पूर्वी सिंहभूमि और जमशेदपुर महानगर जिला अंतर्गत बहरागोड़ा, घाटशिला, पोटका, जुगसलाई, जमशेदपुर पूर्वी, एवं जमशेदपुर पश्चिमी विधानसभा के प्रवासी प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी हैं। जिम्मेदारी मिलते ही भावना बोहरा लगातार सभी विधानसभा में लगातार जनसंपर्क कर रहीं हैं उसके साथ ही पंडरिया विधानसभा की जनता से भी लगातार संपर्क में रहकर उनकी समस्याओं का निरकरण कर रहीं हैं। भावना बोहरा द्वारा लगातार सभी समाजों के प्रतिनिधियों व सदस्यों तथा समाज सेवी के साथ मिलकर एनडीए गठबंधन के लिए समर्थन जुटा रहीं हैं। योगी आदित्यनाथ की आम सभा, केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के रोड शो के साथ ही केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी के साथ भी उन्होंने महिलाओं को संबोधित करते हुए भाजपा के संकल्पों की जानकारी उन्हें दी।

भावना बोहरा सभी मंडलों व बूथ में जाकर कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों के साथ बैठक कर स्थानीय मुद्दों पर भी चर्चा कर रहीं हैं वहीं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार में जनहित की योजनाओं, विकास कार्यों एवं भाजपा के संकल्पों को जनता तक पहुंचाकर भाजपा के पक्ष में समर्थन जुटा रहीं हैं। इसके साथ ही वे अलग-अलग समाज के प्रमुखों और पदाधिकारियों के साथ भी भेंट कर सामाजिक विषयों पर चर्चा कर भाजपा के समर्थन में अपील कर रहीं हैं। पार्टी एवं संगठन द्वारा मिले दायित्वों का भावना बोहरा पूरी कर्मठता से पालन कर रही हैं तो वहीं भाजपा सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचा रही हैं। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण, युवाओं को रोजगार के अवसर, किसानों को आर्थिक रूप से संबल देने के साथ ही आदिवासियों के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को योजनाओं के साथ ही झारखण्ड में भाजपा के संकल्प की भी जानकारी उनके द्वारा लगातार दी जा रही है। इसके साथ ही भावना बोहरा द्वारा लगातार प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से पत्रकारों के साथ भी चर्चा करते हुए एनडीए द्वारा जारी किये गए संकल्प पत्र के जानकारी भी आमजनों तक पहुंचा रही है।

इस दौरान पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने बताया कि झारखण्ड प्रदेश हेतु गृह मंत्री अमित शाह द्वारा जारी किये गए संकल्प जिसमें प्रमुख रूप से गोगो दीदी योजना के तहत महिलाओं को प्रति माह 2100 रुपए की आर्थिक सहयता, 21 लाख परिवारों को आवास एवं मुफ्त बालू, लक्ष्मी जोहार योजना के तहत 500 रुपए में गैस सिलेंडर, युवाओं के लिए 5 लाख स्वरोजगार एवं 2.87 लाख सरकारी पदों पर भर्ती के साथ ही करियर में मदद के लिए प्रति माह 2000 रुपए देने की घोषणा की है। शिक्षा के क्षेत्र में बीएड, नर्सिंग और अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों हेतु सरकारी संस्थानों में निशुल्क शिक्षा, आदिवासी संस्कृति को पुनर्स्थापित करने सिद्धो-कान्हो शोध केंद्र की स्थापना, गरीब बेटियों को केजी से पीजी तक निशुल्क शिक्षा, किसानों के कल्याण हेतु 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी करने जैसे संकल्प किये हैं जिन्हें हम जरुर पूरा करेंगे।

हथबंध-तिल्दा नेवरा सेक्शन में ट्रैफिक कम पावर ब्लाक, कुछ ट्रेनों का परिचालन रहेगा प्रभावित

रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे प्रशासन द्वारा अधोसंरचना विकास के कार्यों को शीघ्र पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है 7 इसी संदर्भ में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के अंतर्गत हथबंध-तिल्दा नेवरा सेक्शन में रोड अंडर ब्रिज निर्माण के लिए बॉक्स पुशिंग हेतु रिलीविंग गर्डर की लांचिंग की जाएगी। इस कार्य के लिए दिनांक 15, 16 एवं 17 नवंबर को ट्रैफिक कम पावर ब्लाक लिया जाएगा। इस कार्य के पूर्ण होते ही सड़क मार्ग के उपयोकर्ताओं को सुविधा के साथ ही गाडियों के परिचालन में गतिशीलता आयेगी। इस कार्य के फलस्वरूप कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा। जिसका विवरण इस प्रकार है-

रद्द होने वाली गाडियां- दिनांक 15 नवंबर' 2024 को गाडी संख्या 08728 रायपुर-बिलासपुर मेमू रद्द रहेगी। 15 नवंबर' 2024 को गाडी संख्या 08734 बिलासपुर-गेवरा रोड मेमु रद्द रहेगी। 15 नवंबर' 2024 को गाडी संख्या 08733 गेवरा रोड-बिलासपुर मेमु रद्द रहेगी। 15 एवं 16 नवंबर' 2024 को गाडी संख्या 08719 बिलासपुर-रायपुर मेमू रद्द रहेगी। 16 नवंबर' 2024 को गाडी संख्या 08727 बिलासपुर-रायपुर मेमू रद्द रहेगी। 17 नवंबर' 2024 को गाडी संख्या 08261 बिलासपुर-रायपुर पैसेंजर रद्द रहेगी। 17 नवंबर' 2024 को गाडी संख्या 08275 रायपुर-जूनागढ़ रोड पैसेंजर रद्द रहेगी। 18 नवंबर' 2024 को गाडी संख्या 08276 जूनागढ़- रायपुर रोड पैसेंजर रद्द रहेगी। दिनांक 18 नवंबर' 2024 को गाडी संख्या 08280 रायपुर-कोरबा पैसेंजर रद्द रहेगी। रेल प्रशासन यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए ऐसे विकास कार्यों के लिए सहयोग की आशा करती है।

04 नवंबर 2024 को भारतीय रेलवे में रिकार्ड 3 करोड़ यात्रियों ने किया यात्रा

24 घंटे के भीतर यात्रा किए गए इन यात्रियों की संख्या ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की जनसंख्या से अधिक

भारतीय रेलवे द्वारा 1 अक्टूबर से 11 नवंबर तक 5,489 स्पेशल ट्रेनें चलाई गई

दपूम रेलवे द्वारा दिवाली एवं छठ पूजा पर 7 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का सफल संचालन

रायपुर (विश्व परिवार)। सोमवार यानी 4 नवंबर 2024 को रेलवे ने एक दिन में सर्वाधिक यात्रियों को हैंडल किया। रेलवे में तीन करोड़ यात्री सवार हुए, जो ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की संयुक्त जनसंख्या से अधिक है। 4 नवंबर 2024 को 120.72 लाख (19.43 लाख आरक्षित और 101.29 लाख बिना आरक्षित) यात्री सफर किये तथा 180 लाख उपनगरीय यात्री रेलवे द्वारा ट्रैक किए गए। यह वर्तमान वर्ष के लिए एक दिन का सबसे बड़ा यात्री आंकड़ा था।

दुर्गापूजा/दीवाली/छठ की अतिरिक्त भीड़ को सुविधा प्रदान करने के लिए, भारतीय रेलवे द्वारा इस वर्ष 1 अक्टूबर 2024 से 30 नवंबर 2024 के बीच कुल 7,666 विशेष ट्रेन सेवाओं की घोषणा की गई है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 4,429 ट्रिप चलाई गई थीं। यह पिछले वर्ष से 73त्न अधिक है। भारतीय रेलवे द्वारा 1 अक्टूबर से आज 11 नवंबर के बीच 5,489 विशेष ट्रेनें चलाई गई हैं, जिसमें 3 नवंबर को: 207 ट्रेनें, 4 नवंबर को: 203 ट्रेनें, 5 नवंबर को: 171 ट्रेनें, 6 नवंबर को: 164 ट्रेनें, 7 नवंबर को: 164 ट्रेनें, 8 नवंबर को: 164 ट्रेनें, 9 नवंबर को: 160 ट्रेनें, 10 नवंबर को: 161 ट्रेनें एवं 11 नवंबर को: 155 स्पेशल ट्रेनों का परिचालन शामिल है। इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में दीपावली एवं छठ पूजा के अवसर पर यात्रियों की सुविधा एवं यात्रा की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए 7 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया गया। इन स्पेशल ट्रेनों में (1) दुर्ग-पटना-दुर्ग, दीवाली स्पेशल एक फेरे के लिए (2) बिलासपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनल-बिलासपुर, दीवाली स्पेशल एक फेरे के लिए (3) गोंदिया-छपरा-गोंदिया, छठ स्पेशल दो फेरों के लिए (4) गोंदिया-पटना-गोंदिया, छठ स्पेशल दो फेरों के लिए (5) दुर्ग-अमृतसर-दुर्ग, फेस्टिवल स्पेशल दो फेरों के लिए (6) बिलासपुर-हडपसर-बिलासपुर, फेस्टिवल स्पेशल एक फेरे के लिए तथा (7) सनतनगर-रायपुर-सनतनगर, फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन शामिल है। इन स्पेशल ट्रेनों में रेल यात्रियों को अधिक से अधिक कन्फर्म बर्थ/सीट की सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिससे यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में सहूलियत मिली।

रेलवे ने भीड़ प्रबंधन के तहत प्रमुख स्टेशनों पर विशेष प्रबंध किए, जिससे यात्रियों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्राप्त हुआ। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, रायगढ़, गोंदिया, चांपा, नेताजी सुभाषचंद्र बोस इतवारी, अनूपपुर जैसे प्रमुख स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन प्रबंधन हेतु रेलवे सुरक्षा बल, टिकट चेकिंग, कामर्शियल व अन्य रेलवे कर्मचारियों तथा स्काउट एंड गाइड व सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए प्रबंध किया गया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों को निरंतर बेहतर सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में यह कदम उठाया गया है, जिससे पर्व के अवसर पर यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के कला संकाय एवं भारतीय सहायक प्रौद्योगिकी संघ के सयुंक्त तत्वाधान में 'वरीष्ठजन देखभाल पहल को मजबूत करने' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, रायपुर में भारतीय सहायक प्रौद्योगिकी संघ (IAAT) द्वारा प्रायोजित स्ट्रेंथनिंग सीनियर केयर इनिशिएटिव, इन्क्लुडिंग इम्प्रूविंग एक्सेस टू एस्सेस्टिव टेक्नोलॉजी पर एक शोधपरक एक-दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के लिए सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना और बुजुर्ग आबादी के लिए सहायक प्रौद्योगिकी तक पहुँच बढ़ाने के तरीकों की खोज करना था।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, श्री राजेश तिवारी ने विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया, और वरीष्ठजन देखभाल पहल को आगे बढ़ाने में उनकी भागीदारी और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान, श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के माननीय कुलपति प्रो. एस. के. सिंह ने 2018 में अपनी स्थापना के बाद से संस्थान के विकास और शैक्षिक पहलों के माध्यम से सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने की अपनी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। कुलपति ने यूनिवर्सिटी में इस महत्वपूर्ण कार्यशाला के सफल आयोजन पर संतुष्टि व्यक्त करते हुए समाज के वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदना पूर्ण संकल्प की आवश्यकता पर बल दिया।

एशियाई विकास बैंक (ए.डी.बी) में सहायक देखभाल एवं प्रौद्योगिकी के वरिष्ठ सलाहकार श्री चपल खासनबीस ने प्रौद्योगिकी और नवाचार के माध्यम से वरिष्ठ व्यक्तियों के देखभाल में सुधार के लिए वैश्विक और क्षेत्रीय प्रयासों में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। स्वास्थ्य और पुनर्वास प्रौद्योगिकी (HeaRT) के तकनीकी प्रमुख डॉ. पतंजलि देव नायर ने वरीष्ठ नागरिकों के दैनिक जीवन में सहायक उपकरणों और प्रौद्योगिकियों की भूमिका पर चर्चा करते हुए अपने अनुभव साझा किये। कार्यशाला में इंटरैक्टिव सत्र भी शामिल था, जिसमें यूनिवर्सिटी के कला संकाय के विद्यार्थी साक्षात्कार के माध्यम से सीधे वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े और गहन विश्लेषण करके बुजुर्गों के कल्याण के लिए प्रभावी नीतियाँ तैयार करने के उद्देश्य से एक व्यापक रिपोर्ट तैयार की। यह रिपोर्ट एक शोधपरक प्रयास है, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों के लिए मौजूदा सरकारी योजनाओं के प्रभाव और पहुँच का आकलन करने के लिए विश्लेषण किया गया, इसीप्रकार का विश्लेषण छत्तीसगढ़ के साथ मिजोरम और कर्नाटक में डेटा संग्रह और फील्डवर्क के माध्यम से होना है। कार्यशाला के शोध निष्कर्षों के आधार पर अंतिम रिपोर्ट वरिष्ठ नागरिकों की बेहतर सेवा के लिए नीतियाँ बनाने में परामर्श के लिए भारत सरकार को प्रस्तुत की जाएगी। कार्यशाला का आयोजन कला संकाय के समाजशास्त्र विभाग और यूनिवर्सिटी के जनसंपर्क विभाग द्वारा किया गया था, जिसकी समन्वयक डॉ. अंजलि यादव थी। इस कार्यशाला ने जागरूकता, प्रौद्योगिकी और शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और समुदाय के बीच सहयोग के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया।

छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (NRHM) के उप निदेशक डॉ. शैलेंद्र अग्रवाल ने कार्यशाला के संचार प्रयासों का समन्वय किया और यह सुनिश्चित किया कि स्थानीय नागरिकों की प्रतिक्रिया और अंतर्दृष्टि के विश्लेषण में एकीकृत प्रयास किया जाए। छत्तीसगढ़ के समाज कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक श्री नदीम काजी ने भी कार्यशाला में भाग लिया और राज्य की योजनाओं के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण जानकारी दी। कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. मनीष पाण्डेय ने सभी अतिथियों और वरीष्ठ नागरिकों को धन्यवाद ज्ञापित किया और डॉ. सागर साहू (सहायक व्याख्याता) ने अत्यंत जीवंत मंच संचालन किया। कार्यशाला में डीन एकेडेमिक्स डॉ. आर. आर. एल. बिराली, उप-कुलसचिव (एच.आर) श्री मनोज सिंह और कला संकाय के सभी प्राध्यापक एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

कटघोरा वनमंडल के रेंजर देवदत्त खाण्डे निलंबित

रायपुर (विश्व परिवार)। **वन अपराध तथा वन्यजीवों के अवैध शिकार के रोकथाम में उदासीनता का मामला** छत्तीसगढ़ के प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख ने वनमंडल कटघोरा में पदस्थ रेंजर श्री देवदत्त खाण्डे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन की यह कार्यवाही रेंजर देवदत्त खाण्डे द्वारा एतमानार परिक्षेत्र अंतर्गत पी.ओ.आर. प्रकरणों की जांच एवं वन अपराध तथा वन्यजीवों के अवैध शिकार के रोकथाम एवं जांच में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने के कारण की गई है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354